वर्ष-9//अंक-6//मार्च 2022
ISSN 2454–5805
₹20/-

आम आदमी® पत्रिका

एक आम इंसान की सो

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

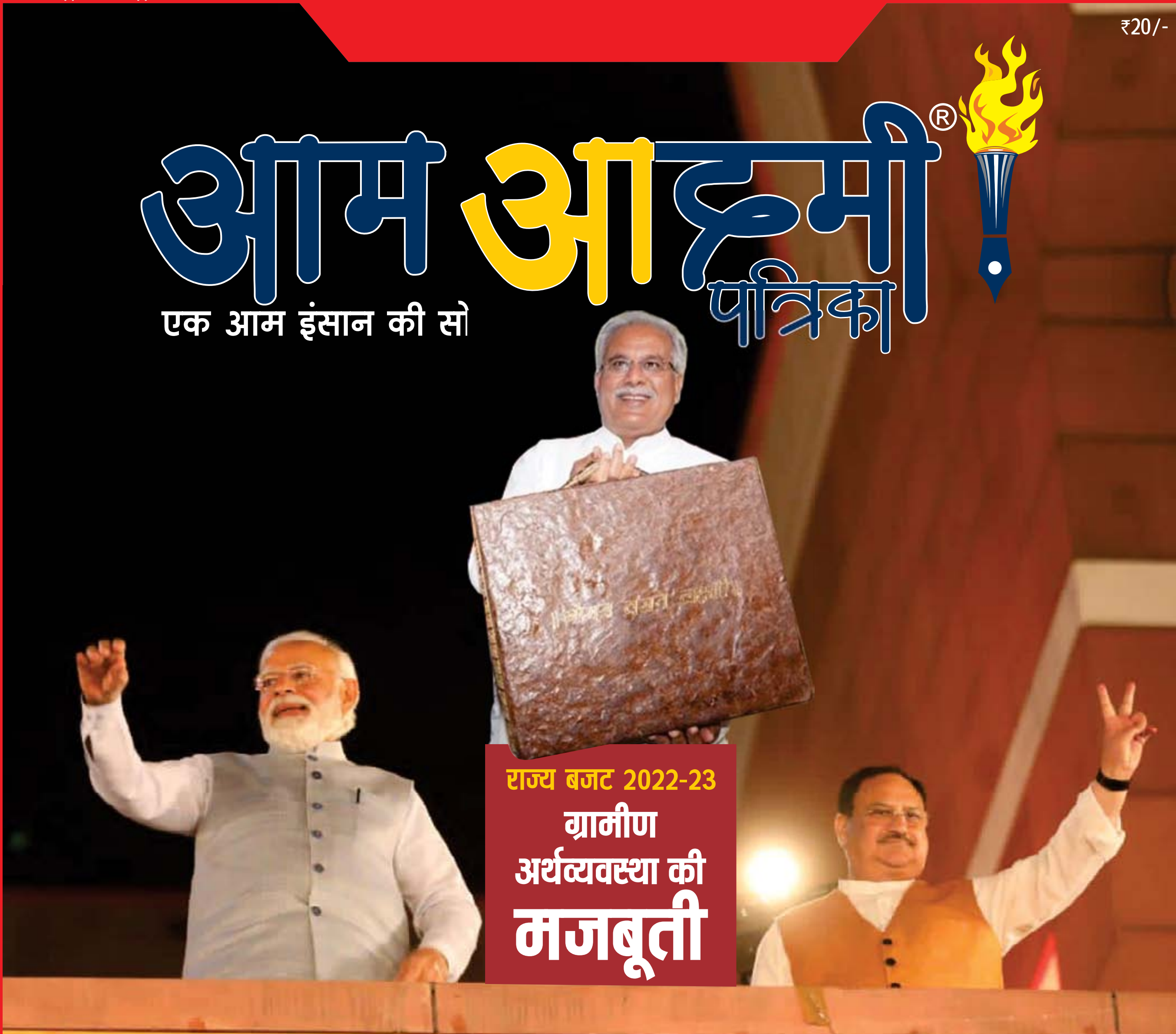

राज्य बजट 2022-23

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती

विधानसभा चुनाव 2022

'आप' का पंजाब योगी का यूपी

» 6

नेशनल बाइक रेसिंग चैंपियनशिप

» 20

अब इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का रहेगा चलन

» 28

किसानों को मिल रहे टमाटर, पत्ता गोभी के पौधे

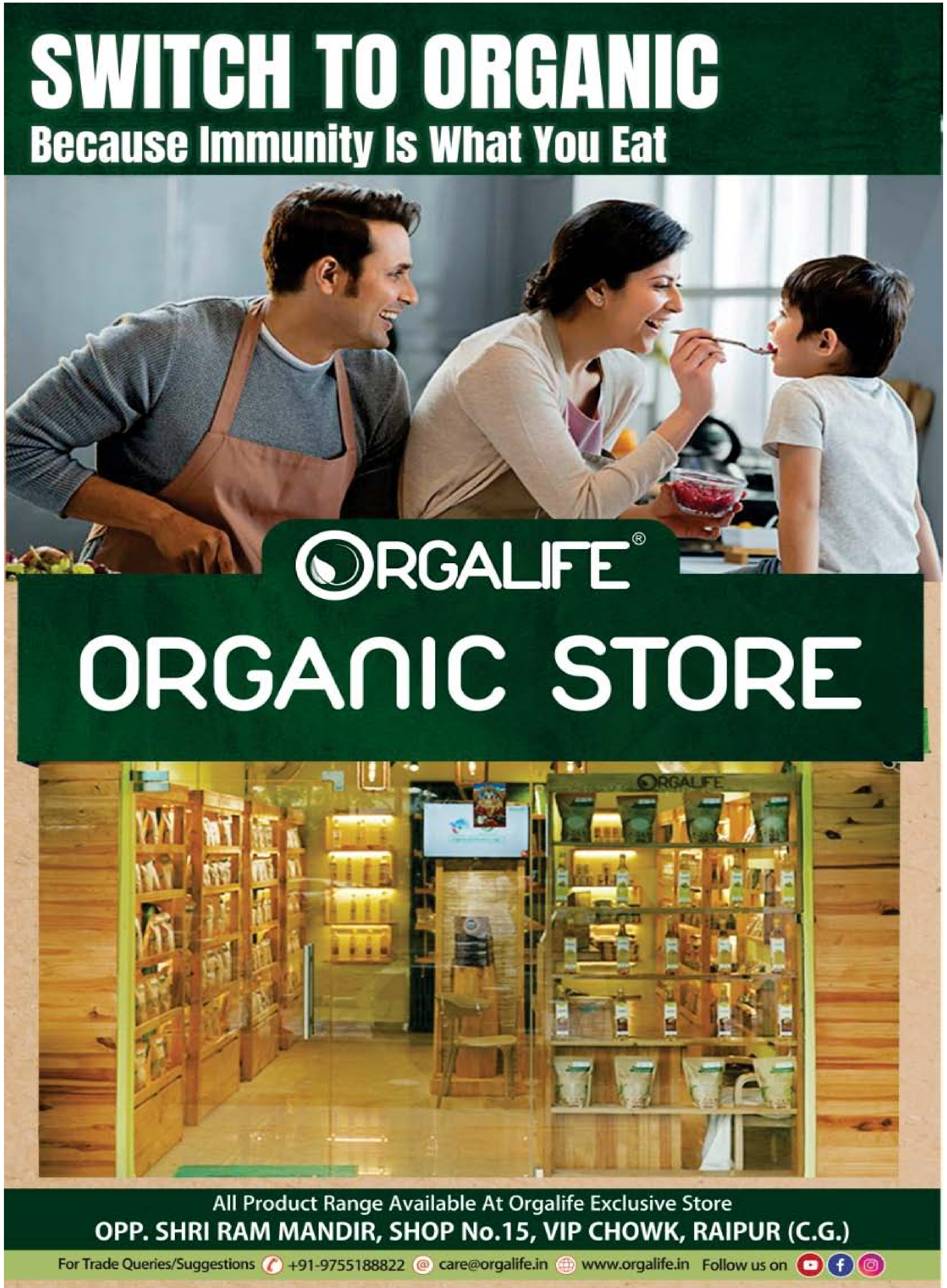

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-9//अंक-6//मार्च 2022

प्रबंध संपादक	: उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	: प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	: नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	: प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	: देवेन्द्र देवांगन
मैग्जीन डिज़ाइनर	: युनिक ग्राफिक्स
मार्केटिंग मैनेजर	: किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	: निरूपमा मिश्रा
अकाउंट असिस्टेंट	: प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	: योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन : 0771-4044047
ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम.
रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर
(छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष– इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

मार्च 2022

इस अंक में

जिले में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत फसल विविधीकरण की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है. धान के बदले दलहन एवं तिलहन तथा अन्य फसल का रकबा 1236.672 हेक्टेयर बढ़ा है. 5

लंदन के बाजार में कटहल 16 हजार रुपए में 8

इस तस्वीर को एक लाख बार शेयर किया गया.

113 गरीब बेटियों के हाथ हुए पीले 10

मुख्यमंत्री कन्या सामुहिक विवाह में 113 जोड़ों का विवाह...

आमदनी का पहिया तेजी से घूमेगा: गुरु 17

ग्रामोद्योग मंत्री ने 80 हितग्राहियों को वितरित किया इलेक्ट्रिक चाक...

उम्दा वस्त्र एवं कारीगरी के लिए प्रसिद्ध 18

जिले में बुनकरों को वस्त्र उत्पादन से सतत रोजगार मिला.

हर्बल प्रोडक्ट की बढ़ी मांग 28

छत्तीसगढ़ में हर्बल चीजों की मांग और बिक्री तेजी से बढ़ रही है.

बॉलीवुड में छाए फरहान और शिबानी 36

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर ही सबसे ज्यादा छाए रहे

सत्ता और नेताओं की जिम्मेदारियां

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

किसी दल की राजनीति का एक ही लक्ष्य होता है सत्ता को हासिल करना। इसके लिए चुनाव लडना पड़ता है तथा चुनाव जीतना पड़ता है। कोई भी राजनीतिक दल एक बार चुनाव जीत जाता है तो उसके बाद उस दल के नेताओं, कार्यकताओं व समर्थकों को सत्ता बंटवारा सबसे महत्वपूर्ण काम होता है। क्योंकि सभी दल यही काम करते हैं। अपनी पार्टी के नेताओं को मंत्री, निगममंडल अध्यक्ष, किसी आयोग का अध्यक्ष से लेकर सदस्य तक नियुक्त करना। हर दल के नेता व कार्यकर्ता चुनाव जीतने के बाद यही चाहते हैं कि हमारी सरकार बनी है तो सत्ता में उनकी भी हिस्सेदारी होनी चाहिए। उन्हें भी कोई न कोई पद कही न कही मिलना ही चाहिए, जो ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं, उन्हें सत्ता में पद दिया जाता है। जो कम महत्वपूर्ण होते हैं, उन्हे संगठन में महत्व दिया जाता है। निचले स्तर के लोगों को कोई क्लब संगठन बनाकर पार्टी के सत्ता में होने का लाभ दिलाया जाता है। क्लब या संगठन को एक लाख रुपए सालाना दिया जाता है कि क्लब या संगठन निचले स्तर पर रचनात्मक काम करेंगे। कहीं कार्यकताओं व नेताओं को राशन दुकान दिया जाता है तो कहीं पर रेत खनन के अलावा कई तरह के काम का ठेका दिया जाता है। राजनीतिक दल को सत्ता मिलती है तो वह पार्टी के नेताओं, कार्यकताओं से लेकर समर्थकों तक तो सत्ता का लाभ कैसे दिया जा सकता है, यह सबसे गंभीरता से किया जाता है ताकि कोई नेता या कार्यकर्ता यह न कह सकें कि पार्टी के सत्ता में होने का लाभ उसे तो नहीं मिला। पार्टी के सत्ता में होने का लाभ पार्टी के समर्थकों को भी दिया जाता है। इसके लिए राज्य या देश के विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति की जाती है, वह भी एक तरह से समर्थको को सत्ता का बंटवारा ही है। जहां जहां केंद्र व राज्य सरकार अपने आदमियों की नियुक्ति कर सकती है, सेना के रिटायर लोग, रिटायर जज, आईएस व आईपीएस अधिकारी, विवि के रिटायर कुलपति कभी कभी जो किसी दल के पक्ष में या विरोध में जो बयान देते हैं, वह दल के द्वारा किए गए किसी उपकार के कारण ही होता है। अगर किसी राज्य में विवि के कुलपति की नियुक्ति को लेकर कोई विवाद हो रहा है तो यह समझने की जरूरत है कोई दल अपने समर्थक व्यक्ति को कुलपति बनाना चाहता है। सीधे तो कहा नही जा सकता कि उसके दल के समर्थक ही कुलपति बनवाया जाना चाहिए। इसलिए कहा जाता है कि कुलपति स्थानीय होना चाहिए। मांग की जाती है,दवाब बनाया जाता है। आरोप लगाया जाता है कि दूसरी पार्टी के विचारधारा को मानने वाले को कुलपति नियुक्त किया जा रहा है। मीडिया में सूची जारी होती है कि कितने विवि में बाहरी कुलपति है कितने किस समाज के हैं। आम लोगों को यह देख कर हैरानी होती है कि इतने बड़े पद के लिए योग्यता की बात ही कोई नहीं करता है, बड़े पद है तो उस पर उनके दल के स्थानीय समर्थक को ही नियुक्त किया जाए। यही पैमाना सभी दलों का होता है। राजनीति का काम ही सत्ता हासिल करना तथा अपने लोगों को सत्ता में हिस्सेदारी देकर उपकृत करना। हर राज्य में यही होता आया है,हो रहा है, होता रहेगा।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना से प्रोत्साहित होकर जिले में

बढ़ा लघु धान्य फसल एवं दलहन-तिलहन का रकबा

धान के बदले दलहन एवं तिलहन तथा अन्य फसल का रकबा 1236.672 हेक्टेयर बढ़ा

सुगंधित धान, रागी, जिंक धान, जैविक धान, कोदो, कुटकी एवं दलहन-तिलहन की फसलें ले रहे किसान

जिले में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत फसल विविधीकरण की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है. धान के बदले दलहन एवं तिलहन तथा अन्य फसल का रकबा 1236.672 हेक्टेयर बढ़ा है. 2 हजार 832 किसानों ने धान के बदले अन्य फसले ली है. शासन द्वारा लघु धान्य फसलों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के दायरे में लाया गया है. जिसकी वजह से जिले में किसान फसल परिवर्तन के लिए प्रेरित हुए हैं. रागी, कोदो, कुटकी जैसे लघु धान्य फसलें स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक एवं औषधीय गुणों से भरपूर है. मार्केट में भी इनकी अच्छी डिमांड है. वहीं दलहन, तिलहन की फसलों का भी रकबा बढ़ा है. कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा धान के बदले अन्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है.

राजीव गांधी किसान न्याय योजनांतर्गत 1 हजार 38 किसानों ने 470 हेक्टेयर में सुगंधित धान, 12 किसानों ने 11.458 हेक्टेयर में जिंक धान, 208 किसानों ने 156.66 हेक्टेयर में जैविक धान, 198 किसानों ने 51.151 हेक्टेयर में मक्का, 343 किसानों ने 149.03 हेक्टेयर में कोदो-कुटकी, 60 किसानों ने 10.866 हेक्टेयर में रागी, 525 किसानों ने 179.9 हेक्टेयर में अरहर, 170 किसानों ने 52 हेक्टेयर में उड़द, 70 किसानों ने 21 हेक्टेयर में तिल, 98 किसानों ने 41.12 हेक्टेयर में सोयाबीन, 6 किसानों ने 2.594 हेक्टेयर में अन्य फसल, 17 किसानों ने 26.148 हेक्टेयर में केला, 14 किसानों ने 22.108 हेक्टेयर में पपीता, 12 किसानों ने 9.003 हेक्टेयर में वृक्षारोपण, 61 किसानों ने 33.634 हेक्टेयर में उद्यानिकी फसलें लगाई है.

नेशनल बाइक रेसिंग चैंपियनशिप

का आयोजन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरवः मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर के आउटडोर स्टेडियम में 5 मार्च से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सुपरक्रास प्रतियोगिता 2022 एवं फ्री स्टाइल मोटोक्रास प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इससे पहले उन्होंने स्टेडियम में स्वयं बाईक चलाते हुए प्रवेश कर मंच तक पहुंचे और सभी बाईकर्स तथा खेल प्रेमी दर्शकों का भरपूर उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बाईक राईडर्स के साहसिक और हैरत अंगेज प्रदर्शन से दर्शक रोमांचित हो उठे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुपरक्रास प्रतियोगिता 2022 एवं फ्री स्टाईल मोटोक्रास का आयोजन रायपुर में किया गया, जो देश में पहली बार किसी आउटडोर स्टेडियम में फ्लड लाईट में आयोजित हो रहा है। यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। राज्य गठन के पश्चात से ही छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्टर्स द्वारा वर्ष 2003 से अब तक विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की रैली का सफल आयोजन किया गया है।

साहस से भरपूर इस विशेष खेल

उन्होंने कहा कि यह आयोजन सबसे अलग एवं रोमांचक और महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के आयोजन राज्य की जनता, खिलाड़ी में मोटर स्पोर्ट्स को चढ़ावा देना, उन्हें प्रोत्साहित करना तथा यह बताना कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ भारत और छत्तीसगढ़ राज्य भी सक्षम है। प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य युवाओं को रोड रेज एवं आम रास्तों पर स्टंट इत्यादि से रोकना एवं एक विशेष स्थल पर उनको मौका प्रदाय कर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर देना है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्याधिक लोकप्रिय, रोमांच, गति एवं साहस से भरपूर इस विशेष खेल को छत्तीसगढ़ में भी स्थापित करना, छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्टर्स एसोसिएशन का यही उद्देश्य रहा है। इसमें हमारी सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

कुल 8 वर्गों में रेस आयोजित

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाईकर्स द्वारा फ्री स्टाइल मोटोक्रास का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इस प्रतियोगिता के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर के आउटडोर स्टेडियम में 5 मार्च से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सुपरक्रास प्रतियोगिता 2022 एवं फ्री स्टाइल मोटोक्रास प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इससे पहले उन्होंने स्टेडियम में स्वयं बाईक चलाते हुए प्रवेश कर मंच तक पहुंचे और सभी बाईकर्स तथा खेल प्रेमी दर्शकों का भरपूर उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बाईक राईडर्स के साहसिक और हैरत अंगेज प्रदर्शन से दर्शक रोमांचित हो उठे। स अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुपरक्रास प्रतियोगिता 2022 एवं फ्री स्टाईल मोटोक्रास का आयोजन रायपुर में किया गया, जो देश में पहली बार किसी आउटडोर स्टेडियम में फ्लड लाईट में आयोजित हो रहा है। यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। राज्य गठन के पश्चात से ही छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्टर्स द्वारा वर्ष 2003 से अब तक विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की रैली का सफल आयोजन किया गया है।

साहस से भरपूर इस विशेष खेल

उन्होंने कहा कि यह आयोजन सबसे अलग एवं रोमांचक और महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के आयोजन राज्य की जनता, खिलाड़ी में मोटर स्पोर्ट्स को चढ़ावा देना, उन्हें प्रोत्साहित करना तथा यह बताना कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ भारत और छत्तीसगढ़ राज्य भी सक्षम है। प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य युवाओं को रोड रेज एवं आम रास्तों पर स्टंट इत्यादि से रोकना एवं एक विशेष स्थल पर उनको मौका प्रदाय कर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर देना है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्याधिक लोकप्रिय, रोमांच, गति एवं साहस से भरपूर इस विशेष खेल को छत्तीसगढ़ में भी स्थापित करना, छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्टर्स एसोसिएशन का यही उद्देश्य रहा है। इसमें हमारी सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

खेल मंत्री सहित कई दिग्गज पहुंचे

इस अवसर पर उच्च शिक्षा तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल, सांसद छाया वर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग डॉ. किरणमयी नायक, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष सुभाष धुप्पड़, नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू तथा अन्य जनप्रतिनिधि और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कुल 8 वर्गों में रेस आयोजित

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाईकर्स द्वारा फ्री स्टाइल मोटोक्रास का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इस प्रतियोगिता के विभिन्न रेस में छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों के लिए भी विशेष श्रेणी रखी गई है, जिसमें केवल छत्तीसगढ़ के बाईकर को अवसर मिला है। इस प्रतियोगिता में कुल 08 वर्गों में रेस आयोजित है। इन रेसिंग प्रतियोगिता के मध्य फ्री स्टाइल मोटो कास का प्रदर्शन विदेशी बाईकर के द्वारा किया गया, जो आप सब में रोमांच भर दिया। उबड़-खाबड़ रास्तों पर विदेशी एवं महंगी बाईको से राईडरों द्वारा छत्तीसगढ़ में अपने जौहर का प्रदर्शन किया है, जो सराहनीय है। मैं स्वयं बाईक राईडिंग का शैकिन रहा हूँ और आज भी आवश्यकता पड़ने पर बाईक से घूमना पसंद करता हूँ।

"इस तस्वीर को एक लाख बार शेयर किया गया. लंदन के सबसे बड़े और सबसे पुराने बाजार, बोरो मार्केट में एक कटहल करीब 16 हजार रुपये (160 पाउंड) में बिक रहा था. कटहल की इस कीमत ने ट्विटर पर लोगों के होश उड़ा दिए. कुछ ने तो मजाक किया कि वो कटहल बेचकर 'करोड़पति' बनने के लिए ब्रिटेन आएंगे. वैसे तो ब्राजील के कई इलाकों में एक ताजा कटहल 82 रुपये में मिल जाता है. कई जगहों पर ये सड़कों पर सड़ता भी दिखाई दे जाएगा. कई अन्य देशों में भी ये सस्ता ही है."

लंदन के बाजार में एक कटहल 16 हजार रुपए में

कई जगह तो इसे फ्री में ही पेड़ों से तोड़ा जा सकता है. तो फिर एक कटहल की कीमत इतनी कैसे बढ़ गई? और हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी मांग में इतना उछाल क्यों आ गया? सबसे पहले तो एक सामान्य-सा नियम याद रखना बहुत जरूरी है: किसी भी वस्तु की मांग उसकी कीमत को प्रभावित करती है - और ये किसी भी उत्पाद पर लागू होता है. साओ पाउलो राज्य में तीन हजार तरह के फलों का बाग लगाने वाली कंपनी के सीईओ सबरीना सारतोरी ने बीबीसी को बताया, 'ब्राजील में भी, कटहल की कीमतों में उतारचढ़ाव आता रहता है. कई ऐसी जगह हैं जहां पेड़ों से लोग फ्री में ही तोड़कर ले जाते हैं. लेकिन कुछ जगहों पर ये बहुत महंगा होता है. लेकिन ब्रिटेन जैसे ठंडे देशों में कटहल को व्यावसायिक रूप से नहीं उगाया जा सकता है. जानकारों का कहना है कि कटहल का अंतरराष्ट्रीय व्यापार काफी पेचीदा और जोखिम भरा है. जिसकी कई वजहें हैं जिनमें रखने पर खराब होने की कटहल की प्रकृति, इसका मौसमी होना और इसका आकार शामिल है. एक कटहल का वजन 40 किलो तक हो सकता है. एशिया से आने वाले इस फल की शेल्फ लाइफ कम है. इसका ट्रांस्पोर्टेशन तो मुश्किल है ही, इसकी पैकिंग भी आसान नहीं. सारतोरी साथ ही कहते हैं, 'कटहल बहुत भारी होता है और जल्दी पक जाता है. इससे एक अजीब-सी गंध आती है, जो हर किसी को पसंद नहीं होती.'

बढ़ रहा है कटहल का व्यापार

तमाम अड़चनों के बावजूद हाल के अध्ययनों में कटहल के अंतरराष्ट्रीय बाजार के विस्तार का अनुमान लगाया गया है. कंसल्टेंसी इंडस्ट्री एआरसी के अनुमानों के मुताबिक, 2026 तक इसके 35.91 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2021-2026 की अवधि के दौरान 3.3 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ रहा है. 2020 में, एशिया-प्रशांत क्षेत्र का कटहल के बाजार में सबसे बड़ा हिस्सा रहा (37%), इसके बाद यूरोप (23%), उत्तरी अमेरिका (20%), बाकी दुनिया (12%) और दक्षिण अमेरिका (8%) थे.

जिन देशों में कटहल की उपज होती है वहां अक्सर इसे इतना महत्व नहीं दिया जाता, लेकिन विकसित देशों में शाकाहरी लोगों के बीच इसकी मांग बढ़ रही है. कटहल को मांस के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. पकाए जाने पर ये बीफ या पोर्क की तरह दिखता है और इस कारण ये टोफू, क्वार्न और ग्लुटेन-फ्री जैसा लोकप्रिय मीट-फ्री विकल्प बन रहा है. अकेले ब्रिटेन में, शाकाहारी लोगों की संख्या करीब 35 लाख है और ये बढ़ती जा रही है. जब कटहल बहुत ज्यादा पक जाता है इसमें एक मीठा स्वाद आ जाता है और इसे सिर्फ मीठे व्यंजन में इस्तेमाल किया जा सकता है. इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए एक ज्यादा किफायती विकल्प इसे डिब्बाबंद खरीदना है. डिब्बाबंद कटहल ब्रिटिश सुपरमार्केट में औसतन लगभग 300 रुपये में मिल सकता है, लेकिन कई लोग कहते हैं कि इसका स्वाद मूल फल जैसा नहीं होता. बड़े आकार के कारण इसकी पैकिंग मुश्किल है. इसे अन्य फलों की तरह एक जैसे आकार के बक्सों में नहीं रखा जा सकता. साथ ही ये बताने का कोई वैज्ञानिक तरीका भी नहीं है कि कटहल को बाहर से देखकर बताया जा सके कि वो अच्छी स्थिति में है या नहीं. इसके अलावा, जो प्रमुख देश इसकी खेती करते हैं और निर्यात करते हैं, वहां सप्लाई चेन मजबूत नहीं. साथ ही कटाई के बाद इसे स्टोर करने की सुविधाओं का अभाव है. नतीजतन, एक अनुमान के मुताबिक, पूरे उत्पादन का 70 फीसदी नष्ट हो जाता है. कटहल की खेती ज्यादातर दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया में होती हैं, कटहल बांग्लादेश और श्रीलंका का राष्ट्रीय फल है. भारत में कटहल को ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों के खाने की चीज के तौर पर भी देखा जाता है. जानकार कहते हैं कि इसके अलावा इसे लेकर जागरुकता की कमी है. कई लोगों ने कभी इसका स्वाद नहीं चखा और वो इसे बनाने का कोई तरीका भी नहीं जानते. हालांकि कटहल अब लोकप्रिय होता जा रहा है. नीदरलैंड स्थित विदेशी फलों के आयातक टोरस ट्रॉपिकल बीवी के मालिक फैब्रिकियो टोरस ने ये भी कहा कि फलों सब्जियों के महंगे होने का एक कारण ये भी रहा है कि कोविड -19 महामारी के बाद हवाई मालभाड़ा काफी बढ़ गया है. वो कहते हैं, 'एशिया और दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों से कई फल विमानों से यूरोप आते हैं. एयरलाइंस अब कार्गो स्पेस के लिए ज्यादा कीमत वाले उत्पादों की तलाश में रहती है. कटहल तेजी से खराब होने वाला फल है और इसकी मांग भी कम रहती है. इसलिए इसे बड़ी मात्रा में आयात करना सही नहीं समझा जाता. इस सब आधार पर ही बाजार में कटहल की कीमत तय होती है.'

पुन्नी मेला में 113

गरीब बेटियों के हाथ हुए पीले

पवित्र महानदी, सोंढूर, पैरी के त्रिवेणी संगम राजिम के राजीव लोचन मंदिर परिसर में आज अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब पूरा मेला स्थल विशाल विवाह मंडप में बदल गया था। यह अवसर था मुख्यमंत्री कन्या सामुहिक विवाह का इस आयोजन में यहां 113 जोड़ों का सामुहिक विवाह सम्पन्न हुआ। राजिम माघी पुन्नी मेला के अवसर पर यह ऐतिहासिक पल था कि जिले गरीब 113 बेटियों के हाथ हजारों लोगों की गवाही में पीले हुए। श्री भगवान राजीव लोचन और श्री कुलेश्वर नाथ की पावन धरा में बेटियों को महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया, खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत और अधिकारी-कर्मचारियों का आशीर्वाद मिला।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया ने वर-वधु को आशीष और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह एक शुभ अवसर है, कि आज राजिम के पवित्र धरा पर सामुहिक विवाह सम्पन्न हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने बधाई दिया है। उन्होंने कहा कि आज यह पावन अवसर है जहां बेटियों को आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार की जिम्मेदारी बेटियों पर होती है। वे परिवार और समाज को जोड़ कर रखती है।

छत्तीसगढ़ की बेटियां शासन की योजना का लाभ उठाकर सक्षम बने, 3 प्रतिशत ब्याज की दर पर महिला कोष और सक्षम योजना से ऋण लेकर व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बेटियों के लिए ने इस योजना की ब्याज दर को 6 प्रतिशत से कम कर मात्र 3 प्रतिशत कर दिया। मंत्री भेड़िया ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया और नवदम्पतियों को सफल और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि कोई भी परिवार अपने आप को कमजोर न समझे, सरकार हमेशा उनके साथ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और सम्मान के लिए कार्य कर रहे हैं। कर्ज माफी सहित समर्थन मूल्य, मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना का जिक्र कर कहा कि सरकार हर वर्ग का ध्यान रख रही है। उन्होंने सरकार की ओर से सभी नवदम्पतियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

विधायक धनेंद्र साहू ने कहा कि हमारे प्रदेश के संवेदनशील मुखिया श्री भूपेश बघेल द्वारा बेटियों की शादी के लिए दी जाने वाली सहायता राशि 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया है। यह एक संवेदनशील निर्णय है। उन्होंने सभी बेटियों को आशीर्वाद दिया ।

इस सामुहिक विवाह के अनुकरणीय पहल के लिए मंत्री श्रीमती भेड़िया ने जिला प्रशासन के टीम को बधाई दी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नवापारा, राजिम नपा अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष फिंगेश्वर, जिला पंचायत सदस्य, जिला कलेक्टर, अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सहित वर-वधु के परिवार व आगंतुक भी मौजूद थे।

गायत्री परिवार के वैदिक मंत्रोच्चार और रीति रिवाज से विवाह सम्पन्न हुआ। इसके पूर्व वधु एवं वर पक्ष से अधिकारी-कर्मचारी बाराती और घराती बने। वर पक्ष को बाजे-गाजे के साथ स्वागत कर बारात निकाली गई । वहीं वधु पक्ष ने फूल बरसाकर स्वागत किया। पूरा मेला स्थल विवाहमय नजर आ रहा था। इस सामुहिक विवाह में देवभोग से पहुंचे कन्या गीता ,मालवी प्रधान, फिंगेश्वर की बैशाखिन तारक, कामिनी बंजारे, महेन्द्री छुरा के कुमारी दामिनी,डुमेश्वरी ने इस आयोजन के लिए शासन-प्रशासन का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे जीवन का अविस्मरणीय पल है।

सरस मेला नाम दिया गया

छत्तीसगढ़ का प्रयागराज कहलाने वाला राजिम माघी पुन्नी मेला शुरू हो गया है। एक पखवाड़े तक चलने वाली इस मेले के भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजन संबंधी विशेष तैयारियां की गई हैं। लक्ष्मण झूला में लेजर शो और आकर्षक लाइटिंग इस मेले का खास आकर्षण होगा। माघी पुन्नी मेले के दौरान मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 100 जोड़ों की शादियां होंगी। माघी पुन्नी मेले में छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति के प्रोत्साहन में स्थानीय एवं राज्य के लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के व्यंजनों का स्वाद मिलेगा, जिसके लिए यहां पर फूड जोन में स्टॉल की व्यवस्था की गई है। बिहान महिला समूह की महिलाएं समूह के विभिन्न प्रकार के उत्पादों का विक्रय करेंगी, जिसे सरस मेला नाम दिया गया है। माघी मेले के सुव्यवस्थित संचालन के लिए पार्किंग व्यवस्था, कंट्रोल रुम सहित मीडिया सेंटर की भी व्यवस्था की गई है। आगंतुकों की सुरक्षा के मद्देनजर मेला परिसर की 120 सीसीटीवी से निगरानी की व्यवस्था की गई है।

बजट

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती

65 लघुवनोपजों का समर्थन मूल्य पर क्रय

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के लिए 6 हजार करोड़ का प्रावधान

सी-मार्ट की स्थापना के लिये 5 करोड़ का प्रावधान

भारत की आजादी की 75वीं सालगिरह के वर्ष में प्रस्तुत यह बजट मुख्य रूप से ग्राम केन्द्रित नयी अर्थव्यवस्था आधारित छत्तीसगढ़ मॉडल में समाहित उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में मजबूत कदम है। बीते तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा आजादी के मूल्यों एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों को पूरा करने की दिशा में सार्थक कदम उठाये गये हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जोड़ने के लिए बड़ी कवायद की है. यह बजट महात्मा गांधी के समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के मूल मंत्र को साकार करने का सुदृढ़ प्रयास है। बजट राज्य के किसानों, भूमिहीन कृषि मजदूरों व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो की समृद्धि, गांवों की आर्थिक प्रगति, शिक्षा में गुणवत्ता एवं प्रगति के नवीन आयाम, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्गों के कल्याण, महिलाओं एवं बच्चों के सवार्गीण विकास, युवाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के नवीन अवसरों के सृजन, शासकीय सेवकों के भविष्य को सुरक्षित करने, ग्रामीण एवं शहरी अधोसंरचना को तेजी से विकसित करने तथा जनता के लिए संवेदनशील प्रशासन की भावना के साथ प्रदेश के लोगों को समर्पित है।

- स्थिर दर पर वर्ष 2020-21 की तुलना में चालू वर्ष 2021-22 के राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 54 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। राष्ट्रीय स्तर पर 9.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में यह अधिक है।
- वर्ष 2021-22 में स्थिर भाव पर कृषि क्षेत्र में 3.88 प्रतिशत वृद्धि, औद्योगिक क्षेत्र में 15.44 प्रतिशत वृद्धि और सेवा क्षेत्र में 8.54 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित। कृषि एवं सेवा क्षेत्र में राज्य की अनुमानित वृद्धि दर, राष्ट्रीय स्तर के समतुल्य एवं औद्योगिक क्षेत्र में अनुमानित वृद्धि दर राष्ट्रीय दर से 3.64 प्रतिशत अधिक है।
- खरीफ वर्ष 2017 में 12 लाख किसानों से उपार्जित 57 लाख मीट्रिक टन धान की तुलना में खरीफ
- धान सहित समस्त खरीफ फसलों, लघु धान्य फसलों, उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिये राजीव गांधी किसान न्याय योजना में 20 लाख से अधिक किसानों को गत 2 वर्षों में 10 हजार 152 करोड़ की सहायता। योजना में 6 हजार करोड़ का प्रावधान।
- गन्ना की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य 271 रुपए के स्थान पर 355 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 12 लाख मीट्रिक टन गन्ना खरीदी हेतु 112 करोड़ का प्रावधान।
- गत 3 वर्ष में वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल 10 लाख 90 हेक्टेयर से बढ़कर 13 लाख 58 हेक्टेयर।
- कुल 3 हजार 323 करोड़ के बजट प्रावधान में 1 हजार 705 नवीन कार्यों के लिए 300 करोड़ का प्रावधान। इससे 2 लाख 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित होगी। नवीन मद अंतर्गत 249 वृहद् कार्य, 53 मध्यम का र्य

तथा 835 लघु सिंचाई कार्य तथा 404 एनीकट एवं स्टापडेम निर्माण कार्य शामिल।

- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत 7 जिलों के 43 संकुल संगठनों में डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देते हुए कैशलेश इकॉनॉमी बनाने का प्रयास। उत्थान परियोजना अंतर्गत 9 जिलों में विशेष पिछड़ी जनजाति की चिन्हांकित 172 महिलाओं को सी.आर.पी के रूप में प्रशिक्षित करके कुल 9 हजार 820 परिवारों को लाभान्वित किया जायेगा।
- मिलाप परियोजना अंतर्गत राजनांदगांव एवं कबीरधाम जिले में 17 हजार 315 प्रवासी श्रमिकों का चिन्हांकन कर उनके समग्र विकास हेतु कार्य प्रारंभ। ग्रामीण आजीविका मिशन के लिये 450 करोड़ प्रावधान।

बस्तर संभाग में उपलब्ध रैली ककून का संग्रहण कर राज्य में ही धागा उत्पादन एवं प्रसंस्करण की व्यवस्था के लिये मुख्यमंत्री रेशम मिशन की शुरूआत।

- रैली ककून क्रय करने हेतु ग्राम नानगूर विकासखण्ड जगदलपुर में ककून बैंक की स्थापना। संग्रहित रैली ककून 200 स्व-सहायता समूहों को धागाकरण के लिये वितरण, प्रशिक्षण एवं मशीन उपकरण की सहायता।
- 48 लाख 60 हजार परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु जल जीवन मिशन में 1 हजार करोड़ का प्रावधान।
- नगरीय निकायों में जल प्रदाय हेतु 30 करोड़ अनुदान तथा 55 करोड़ ऋण का प्रावधान।

171 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालयों में 1 लाख 35 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। आगामी वर्ष से हिन्दी माध्यम के भी स्वामी आत्मानंद विद्यालय प्रारंभ करने का निर्णय।

- 11 पूर्व माध्यमिक शालाओं को हाई स्कूल एवं 12 हाईस्कूलों को हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में उन्नयन।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के मुताबिक राज्य में कुपोषण का प्रतिशत 31.3 है जो कुपोषण के ० वर्ष 2019 में 4 लाख 33 हजार कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित करके मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान प्रारंभ। अब तक 1 लाख 72 हजार बच्चे कुपोषण के कुचक्र से बाहर।

- गत 2 वर्षों के दौरान 1 हजार 329 चिकित्सा अधिकारी, 282 बहुउद्देशीय पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं 328 बहुउद्देशीय महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, 278 लैब टेक्नीशियन तथा 192 तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति।
- नेशनल क्वालिटी एश्योरेंश कार्यक्रम के तहत राज्य के तीन जिला अस्पताल, 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 27 अस्पतालों को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्रदाय।

कैम्पा मद की वर्ष 2022-23 की कार्ययोजना में 1 हजार 950 नालों को उपचारित करने के लिये 300 करोड़ का प्रस्ताव।

- छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ द्वारा वर्तमान में 65 वनोपज का क्रय। संघ द्वारा 2018 में 3 करोड़ 81 लाख के वनोपज का क्रय, जबकि 2020-21 में 153 करोड़ का क्रय। भारत सरकार द्वारा लघु वनोपज संग्रहण हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना अंतर्गत 4 पुरस्कार, प्रसंस्करण हेतु वन धन योजना अंतर्गत 4 पुरस्कार तथा नवोत्पाद एवं नवाचार हेतु 3 पुरस्कार राज्य को प्रदाय।
- उचित मूल्य पर जेनेरिक दवाईयां एवं सर्जिकल सामान उपलब्ध कराने के लिये 136 धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स की स्थापना। अब तक 17 करोड़ 92 लाख बाजार मूल्य की दवाईयों पर 10 करोड़ रुपए की छूट से 5 लाख 92 हजार नागरिक लाभान्वित।
- मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत 14 नगर निगमों में 60 मोबाइल एम्बुलेंस एवं दाई-दीदी क्लीनिक का संचालन। इसे प्रदेश के समस्त नगरपालिका एवं नगरपंचायतों में लागू करने के लिये 50 करोड़ का प्रावधान।
- युवाशक्ति को संगठित कर प्रदेश के विकास में सहभागिता बढ़ाने हेतु राजीव युवा मितान क्लब का गठन। ग्रामीण क्षेत्रों में 11 हजार 664 एवं नगरीय क्षेत्रों में 1 हजार 605 राजीव युवा मितान क्लब का गठन हेतु 75 करोड़ का प्रावधान।
- नारायणपुर जिले में आदिवासी विद्यार्थियों मल्लखंभ कौशल को निखारने हेतु मल्लखंभ अकादमी की स्थापना हेतु 2 करोड़ 83 लाख का प्रावधान।

विधायक निधि की राशि 2 करोड़ से बढ़ाकर 4 करोड़ करने का निर्णय । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना में 364 करोड़ रुपए का प्रावधान।

- जिला पंचायत अध्यक्ष हेतु 15 लाख, उपाध्यक्ष हेतु 10 लाख एवं प्रत्येक सदस्य हेतु 4 लाख प्रतिवर्ष के मान से जिला पंचायत विकास निधि योजना में 22 करोड़ का प्रावधान।
- 6 नवीन तहसील देवकर एवं भिंभौरी जिला बेमेतरा, जरहागांव जिला मुंगेली, दीपका एवं भैंसमा जिला कोरबा, कोटाडोल जिला कोरिया के लिये 84 पदों का सेट-अप स्वीकृत।
- 11 नवीन अनुविभाग कार्यालयों की स्थापना मालखरौदा जिला जांजगीर-चाम्पा, बलरामपुर एवं राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, धमध जिला दुर्ग, भोपालपट्टनम एवं भैरमगढ़ जिला बीजापुर, बागबहरा जिला महासमुंद, भरतपुर एवं खड़गवां-चिरमिरी जिला कोरिया, तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर तथा सहसपुर-लोहारा जिला कबीरधाम हेतु 77 पदों का सेट-अप स्वीकृत।

'आप' का पंजाब, योगी का यूपी

उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी बीजेपी का शानदार प्रदर्शन

पंजाब में सीएम चन्नी, पूर्व सीएम अमरिंदर समेत कई दिग्गज हारे

उत्तरखंड में मोदी लहर हावी, यूपी में भी जबरदस्त रहा उत्साह

> देश के पांच राज्यों में चुनाव होने के बाद नतीजे के दिन भाजपा का जलवा कायम रहा. वहीं पंजाब में पहली बार आम आदमी पार्टी सरकार बनाने जा रही है. भगवंत मान को सीएम चेहरा बनाया गया था, जिस पर जनता ने मुहर लगा दिया है.

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 2017 की तरह इस बार भी मोदी मैजिक खूब चला। मजबूत रणनीति के तहत पीएम मोदी ने पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल तक 134 सीटों पर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। खास बात यह रही कि कड़ी टक्कर वाली सीटों पर ढट मोदी ने खुद कमान संभाली थी। इन सीटों पर वो हिंदुत्व का संदेश देने में कामयाब भी रहे। मोदी ने पहले चरण के प्रचार से 20 दिनों के अंदर 19 रैलियां करके 192 सीटों के लोगों तक अपनी बात पहुंचाई। सपा प्रमुख अखिलेश भी मोदी क्रेज को समझते थे। इसलिए उन्होंने भी इन्हीं सीटों पर जनसभाएं कीं। हालांकि, नतीजा आपके सामने है। मोदी ने जिन सीटों पर प्रचार किया, उनमें 134 विधानसभा सीटें भगवा रंग में रंग चुकी हैं। प्रचार बिना कोई चुनाव नहीं होता। 2007 की बहुमत वाली मायावती सरकार के पैर अखिलेश यादव ने 2012 में रथयात्रा और जनसंपर्क करके उखाड़े थे। सीधे शब्दों कहें तो मायने यही रखता है कि चुनाव में नेताजी जनता के बीच कितना रहे। खुद मोदी वाराणसी में हाथ जोड़कर वोट मांगते नजर आए। उनकी चुनावी यात्रा सहारनपुर से 10 फरवरी को शुरू हो जाती है। नॉनस्टॉप वो 5 मार्च तक लोगों के बीच रहते हैं। योगी को दोबारा सीएम बनाने के लिए लोगों से अपील करते हैं। इस दौरान वो माफिया पर प्रहार, मजबूत लॉ एंड ऑर्डर से लेकर सपा के शासन में हुई गुंडागर्दी तक को याद दिलाते हैं। यूपी चुनाव के लिए पीएम मोदी ने करीब 16,836 किमी का सफर तय किया। यूपी में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से लेकर पूरा संगठन चुनावी मैदान में नजर आया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी 18,200 किमी की चुनावी यात्रा करते हुए 73 जनसभाएं की।

दूसरी तरफ, विपक्ष में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूरे दमखम के साथ चुनाव प्रचार किया। 20 दिनों में उन्होंने ताबड़तोड़ 98 जनसभाएं कीं। भीड़ भी खूब जुटाई, पश्चिम यूपी, अवध से लेकर पूर्वांचल तक वो भाजपा को कांटे की टक्कर देते नजर आए। इस दौड़ में प्रियंका गांधी भी पीछे नहीं हैं। कांग्रेस के लिए जनाधार को खोजते हुए उन्होंने 209 सीटों पर 50 जनसभाएं कीं। अपनी जीत को लेकर आश्वस्त दिखती मायावती लोगों के बीच सबसे कम नजर आईं। 20 दिन में उन्होंने सिर्फ 12 जनसभाएं कीं। जिसके प्रभाव में 84 विधानसभा सीटें आती हैं।

उत्तराखंड और मणिपुर में भाजपा का जलवा

उत्तराखंड में भाजपा ने 70 सीट में से 47 सीट और मणिपुर में 60 में से 32 सीट जीतकर स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बरकरार रखी है। इसके साथ ही भाजपा ने उत्तराखंड में लगातार दो बार सरकार बनाने वाली पहली पार्टी होने का इतिहास भी रच दिया है। देश के सबसे छोटे राज्य गोवा में भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। यहां 40 सीटों में से उसे 20 पर जीत हासिल हुई। उसे 3 निर्दलियों और महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (MGP) के 2 विधायकों ने समर्थन दे दिया है। इस तरह उसका आंकड़ा 25 हो गया है जो बहुमत से 4 ज्यादा है। कांग्रेस 11 सीटें ही जीत पाई।

गोवा में आप की एंट्री

आम आदमी पार्टी (अअढ) को पहली बार विधानसभा में एंट्री मिली है। उसके दो उम्मीदवार जीते हैं, लेकिन पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने जिस अमित पालेकर को उट का चेहरा बनाया था, वे ही चुनाव हार गए। उधर, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) खाता भी नहीं खोल पाई।

पंजाब में AAP को मिली 92 सीटें

पंजाब में आम आदमी पार्टी ने विस चुनाव में 92 सीटें जीती हैं। कांग्रेस को सिर्फ 18, अकाली दल को 4, भाजपा को 2 और एक आजाद के खाते में गई। राज्य में आप की सूनामी इस कदर चली कि पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल, कैप्टन अमरिंदर सिंह के अलावा नवजोत सिद्धू, सुखबीर बादल समेत कई दिग्गज हार गए।

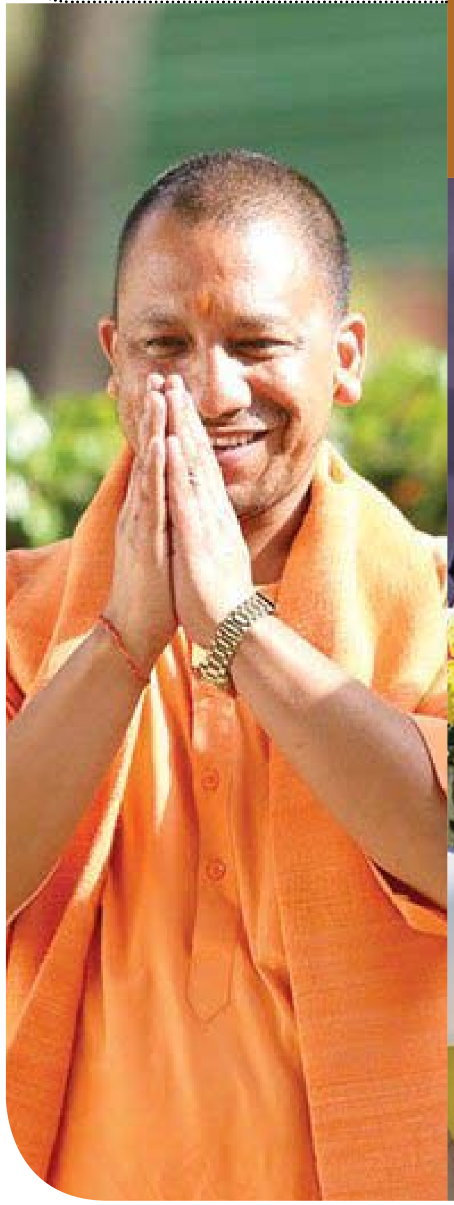

पंजाब में रिकॉर्डतोड़ सीटें

पंजाब में रिकॉर्डतोड़ सीटें जीतने के बाद आम आदमी पार्टी (अअढ) ने सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। पंजाब में पार्टी का सीएम चेहरा भगवंत मान संगरूर से दिल्ली रवाना हो गए हैं। वह आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेंगे। जहां वह केजरीवाल को शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण भी देंगे। फिर दोपहर बाद मोहाली में सभी नए चुने 12 विधायकों के साथ भगवंत मान मीटिंग करेंगे। कल भगवंत मान गवर्नर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। भगवंत मान ने कहा कि 1-2 दिन में सारा काम हो जाएगा।

मां और बच्चों के मौत हुए कम

केन्द्र सरकार के आंकड़ों से हुई पुष्टि

छत्तीसगढ़ में तेजी से घट रही है शिशु एवं मातृ मृत्यु दर

केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किए गए ताजा आंकड़ों में यह बात स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आयी है।

अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में नवजात, शिशु एवं बाल मृत्युदर में तेजी से कमी दर्ज की गई है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य में कुपोषण को दूर करने के साथ साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की पहल की गई। गांव से लेकर शहरों तक की स्वास्थ्य सेवाओं में कई नवाचारी कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। कुपोषण में कमी लाने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री सुपोषण योजना और मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना और मलेरिया मुक्त अभियान, दाई दीदी क्लिनिक योजना के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन नवाचारी कार्यों से राज्य के आंगनबाड़ी में दर्ज बच्चों के कुपोषण में कमी के साथ साथ नवजात मृत्यु दर, शिशु मृत्युदर और मातृमृत्यु दर में कमी आयी है। प्रदेश में मातृ मृत्यु अनुपात नवीनतम एसआरएस आंकड़ो के अनुसार छत्तीसगढ़ में 159 प्रति 1 लाख जीवित जन्म हो गई है। जबकि इसी अवधि में उत्तर प्रदेश में 197, असम में 215 और मध्यप्रदेश में 173 प्रति लाख थी। इसी प्रकार नवजात मृत्युदर छत्तीसगढ़ में 32.4 प्रति हजार है जबकि उत्तर प्रदेश में 35.7 और बिहार में 34.5 है। इसी प्रकार शिशु मृत्युदर छत्तीसगढ़ में 44.3 प्रति हजार है, जबकि उत्तर प्रदेश में 50.4 और बिहार में 46.8 है। पांच वर्ष तक के बच्चों की बाल मृत्युदर छत्तीसगढ़ में 50.4 प्रति हजार है, जबकि उत्तर प्रदेश में 59.8 और बिहार में 56.4 है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत महिलाओं और बच्चों को सुपोषित करने के लिए अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सेक्टर तातापानी के आंगनबाड़ी केन्द्र धनेशपुर में गर्भवती माताओं के लिए पोषण पेटी'' की नई पहल की गई है। जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र धनेशपुर में गर्भवती माताओं की पोषण जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके परिवार को विगत 2 माह से प्रत्येक गर्भवती महिला के घर पोषण पेटी बनवाई जा रही है। पोषण पेटी में प्रति माह 500-500 ग्राम चना, मूंग, मूंगफली, गुड़ और रेडी टू ईट रखवाया जाता है। चना, मूंग अंकुरित करके, मूंगफली भिंगोकर गुड़ के साथ खाने का परामर्श दिया जा रहा है, गर्भवती माता को हर रोज इन चीजों का सेवन करना है। गर्भवती माताएं निरंतर इसका सेवन करती रहें, इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा सतत गृहभेंट भी की जाती है। मात्र इतने प्रयास से गर्भवती माता को पोषण में लगभग 430 ग्राम प्रोटीन मिल जाती है, जो प्रतिमाह आवश्यक प्रोटीन जरूरतों के 25 प्रतिशत को पूरा करता है। पोषण पेटी की नई पहल के अतिरिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा प्रसव पूर्व गर्भवती माताओं का शीघ्र पंजीयन, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, आई.एफ.ए. सम्पूरक सुरक्षित एवं संस्थागत प्रसव, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ तथा साग-सब्जियों का उपयोग करने और दिन में कम से कम 02 घण्टे आराम करने की सलाह गर्भवती माताओं और उनके परिवार को दी जा है।

> छत्तीसगढ शासन द्वारा महिलाओं और बच्चों की सेहत में सुधार के लिए शुरू की गई योजनाओं और कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन से शिशु एवं मातृ मृत्युदर में तेजी से कमी आ रही है।

अब आमदनी का पहिया तेजी से घूमेगाः गुरु रुद्रकुमार

ग्रामोद्योग मंत्री ने किया हाथकरघा प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ

80 हितग्राहियों को वितरित किया गया इलेक्ट्रिक चाक

> लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रुद्रकुमार ने दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा अंतर्गत ग्राम कोड़िया में हाथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया और और इलेक्ट्रिक चाक वितरण भी किए। मंत्री गुरु रुद्रकुमार ने कहा कि अब आमदनी का पहिया तेजी से घूमेगा।

यह प्रशिक्षण केंद्र एक प्रभावी शुरूआत है और निश्चित ही इससे ना केवल कला और कौशल में निखार आएगा बल्कि रोजगार में भी वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षित युवक-युवतियां अपने भविष्य के लिए एक बेहतर दिशा तय कर सकेंगे। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर केवल 2.1 प्रतिशत है, भविष्य में इसे और कम करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा और भी सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। ऐसे प्रशिक्षण केंद्र और भी खोल जाएंगे, जिससे छत्तीसगढ़ के युवा अपने पांव में खड़े हो सकें और दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना शासन की प्राथमिकता में शामिल है। इसलिए शासन भविष्य की योजनाओं में महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देगी।

इस हाथकरघा केन्द्र में प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में कुल 20 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की समय-सीमा 4 माह की होगी जिसमें प्रत्येक प्रशिक्षु बुनकर को 500 रुपए की मासिक छात्रवृत्ति और 15,000 रुपए का करघा निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार प्रत्येक सत्र में 6.8 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इस अवसर पर मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कार्यक्रम के दौरान कुम्हार हितग्राहियों को 13 लाख 20 हजार रुपए के 80 इलेक्ट्रिक चाक का वितरण भी किया।

जिससे कुम्हार हितग्राही टेराकोटा, दीये, गुल्लक और विभिन्न तरह के मिट्टी के कलात्मक-सजावटी सामग्री निर्माण अपने जीवन का निर्वहन आसानी से कर सकेंगे। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कहा कि इससे ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और कुम्हार आर्थिक रूप से सुदृढ़ होंगे। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशनों और टी-स्टॉल पर भी कुल्हड़ में ही चाय बेची जा रही है। मिट्टी के बर्तनों का उपयोग कर आम नागरिक भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखा रहे हैं और भविष्य में मिट्टी के उत्पादों का चलन बढ़ेगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्य में लोग उपस्थित थे।

जिले के बुनकरों के बनाए

पंरम्परागत हस्तनिर्मित उम्दा वस्त्र गुणवत्ता एवं उत्कृष्ट कारीगरी के लिए प्रसिद्ध

जिले में हाथकरघा बुनकरों को वस्त्र उत्पादन से सतत रोजगार मिला है. यहां के बुनकरों के बनाये पंरम्परागत हस्तनिर्मित उम्दा वस्त्र गुणवत्ता एवं उत्कृष्ट कारीगरी के लिए प्रसिद्ध है. शासन द्वारा दिए जा रहे वित्तीय व तकनीकी सहायता से जिले के बुनकर शासकीय विभागों के लगने वाले वस्त्रों के अतिरिक्त स्थानीय बाजार में भी वस्त्रों का विक्रय कर रहे हैं.

3 वर्षो में 3 करोड़ 79 लाख की सहायता राशि दी गई

शासन द्वारा विगत 3 वर्षो में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बुनकरों को 3 करोड़ 79 लाख रूपए की सहायता राशि दी गई है. इसके अंतर्गत समग्र हाथकरघा विकास योजना वर्ष 2019-20 में 84 लाख 70 हजार रूपए, वर्ष 2020-21 में 1 करोड़ 16 लाख 24 हजार रूपए, वर्ष 2021 में 32 लाख 90 हजार रूपए की सहायता दी गई. इसी तरह बनुकर आवास सह कमर्शाला में वर्ष 2019-20 में 12 लाख 50 हजार रूपए, वर्ष 2021 में 22 लाख रूपए, अनुसंधान विकास में वर्ष 2019-20 में 40 लाख 80 हजार रूपए, वर्ष 2020-21 में 9 लाख 90 हजार रूपए, रिवाल्विंग फण्ड में वर्ष 2019-20 में 1 लाख 50 हजार रूपए, बाजार अध्ययन हाथकरघा वस्त्र प्रदशर्नी में वर्ष 2019-20 में 3 लाख रूपए, वर्ष 2021 में 2 लाख 50 हजार रूपए, हाथकरघा क्लस्टर में वर्ष 2021 में 3 लाख रूपए, रंगाई यूनिट स्थापना में वर्ष 2021 में 50 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई.

जिले के बुनकरों द्वारा निर्मित वस्त्र फेब इंडिया, ईखादी, ट्रायफेड, आई टोकरी, एक गांव, बेबाक स्टूडियो बिलासपुर, फ्लिपकार्ड, अमेजन के लिए ऑनलाईन प्लेटफार्म पर विक्रय के लिए उपलब्ध है. इससे प्रदेश के बुनकरों के लिए ग्लोबल मार्केट उपलब्ध हो रहा है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के हजारों बुनकर परिवारों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए स्कूली छात्रों के गणवेश वस्त्रों का क्रय छत्तीसगढ़ हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से करने को कहा है. मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण फैसले से हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ से जुड़े हजारों बुनकरों को नियमित रोजगार मिलेगा और उन्हें आर्थिक लाभ पहुंचेगा. इससे जिले के बुनकरों में हर्ष व्याप्त है. हाथकरघा वस्त्र उद्योग कुटीर ग्रामोद्योग में पहले पायदान पर आता है. ग्रामीण कृषि के साथ हाथकरघा पर वस्त्र उत्पादन कर अतिरिक्त आय का सफल साधन बनाये हुए हैं. बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने में छत्तीसगढ़ शासन की शासकीय वस्त्र प्रदाय योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. बुनकर सहकारी समिति मर्यादित छुईखदान, बम्लेश्वरी बुनकर सहकारी समिति रामाटोला, श्री लक्ष्मी बुनकर सहकारी समिति मेढ़ा में व्यापक तौर पर वस्त्रों का उत्पादन किया जा रहा है. जिले की 39 कायर्शील समितियों के 3350 करघों पर बुनकर सतत रोजगार प्राप्त कर रहे हैं. हाथकरघा पर वस्त्र उत्पादन हेतु धागों की आवश्यकता, धागों की रंगाई की सुविधा, वद्घ बुनाई हेतु बुनाई एवं कौशन उन्नयन प्रशिक्षण की आवश्यकता, करघा तथा उपकरण की उपलब्धता, बाजार की सुविधा एवं इन सब कार्यो के लिए अनुसंधान विकास की संभावनाओं के दृष्टिगत ग्रामोद्योग संचालनालय हाथकरघा प्रभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं से बुनकर लाभान्वित हो रहे हैं. बुनकरों को कलस्टर के रूप में संगठित कर विकासखण्ड स्तरीय हाथकरघा कलस्टर योजनांतर्गत सहायता एवं सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. इस कड़ी में विकासखण्ड छुरिया एवं राजनांदगांव में हाथकरघा कलस्टर सहायता स्वीकृत हुई है.

जरूरत के मुताबिक अधिक से अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे

अकबर ने कहा-इलेक्ट्रिक वाहन पार्क की स्थापना और इसके निर्माण इकाईयों को दी जाएगी हर संभव मदद

छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी पर हुई चर्चा

अब इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का रहेगा चलन

"परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा है कि वर्तमान में वायु प्रदूषण की वैश्विक समस्या के मद्देनजर अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा के क्षेत्र संबंधी मिशन को राज्य सरकार द्वारा आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित हर संभव मदद दी जाएगी।"

परिवहन मंत्री अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रिक व्हीकल हब और पर्यावरण प्रदूषण रहित राज्य के रूप में नई पहचान देना है। वायु प्रदूषण में कमी लाने तथा उर्जा की मांग को दृष्टिगत रखते हुए सौर उर्जा का उपयोग मुख्य विकल्प के रूप में परिलक्षित हो रही है। छत्तीसगढ़ राज्य में वाहनों के संचालन के लिए पेट्रोल तथा डीजल का उपयोग किया जा रहा है। जिसकी पूर्ति के लिये अन्य देशों पर निर्भरता बनी हुई है तथा समय के साथ लगातार इसके मूल्यों में वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में इलेक्ट्रिक वाहन एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर आया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक व्हीकल को प्रचलन में बढ़ावा देने के लिए हर संभव पहल की जा रही है।

परिवहन मंत्री श्री अकबर ने छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी के निर्माण के संबंध में कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्क तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के व्यवस्थित चालन तथा चार्जिंग के लिये चार्जिंग स्टेशन का निर्माण करना भी आवश्यक है। कुछ नगरीय निकायों एवं कपनियों ने अपने चार्जिग स्टेशन बनाये है तथा इनकी संख्या में और वृद्धि करना आवश्यक होगा। जिससे आमजन को सुगमता से वाहन चार्जिंग की सुविधाए प्राप्त हो सके। छत्तीसगढ़ राज्य अपने भौगोलिक स्थिति के कारण सोलर उर्जा के लिये उत्तम है, जिससे सोलर उर्जा का उपयोग कर वाहनों के चार्जिंग के लिए सोलर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये जा सकते है।

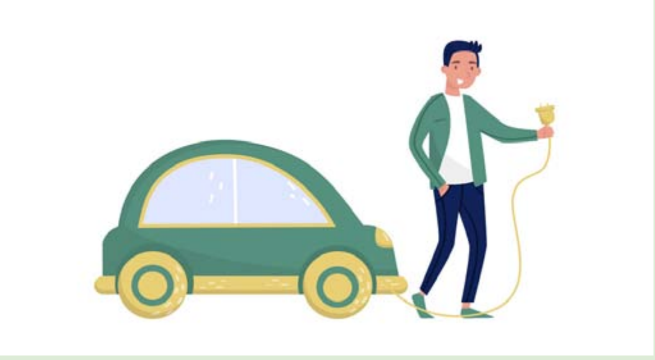

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही है। इनमें ई-कार्ट तथा ई-रिक्शा में पांच वर्षों के लिये मोटरयान कर में छूट प्रदान किया गया हैं। छत्तीसगढ़ राज्य अत्यावसायी, सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा बैटरी चलित ई-रिक्शा के लिये ऋण प्रदान किया जाता है। ई-रिक्शा एवं ई-कार्ट वाहनों का फिटनेस, नवीनीकरण तीन वर्षों के लिये किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा निर्माण श्रमिक ई-रिक्शा सहायता योजना लागू की गई है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल व्दारा 50 हजार रुपए अनुदान के रूप में एकमुश्त दिया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों को मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 66 के अधीन परमिट से छूट भी दी गई है।

सीमा समझौता के बाद मुश्किल दौर

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कहा कि चीन की ओर से सीमा समझौतों के उल्लंघन के बाद दोनों देशों के रिश्ते अभी सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं.
करीब दो साल पहले लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़पें हो चुकी हैं. उसके बाद वहां से सैनिकों को पीछे बुलाने को लेकर दोनों देशों के सैनिक कमांडरों के बीच अब तक 14 दौर की बातचीत हो चुकी है और भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर खुद मान रहे हैं कि अब तक इस बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है. दूसरी ओर दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश भी लगातार बढ़ रहे हैं. ऐसे में भारत और चीन के रिश्तों से जुड़े कई सवालों के जवाब जानने-समझने के लिए बीबीसी ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर डॉक्टर स्वर्ण सिंह से बात की.

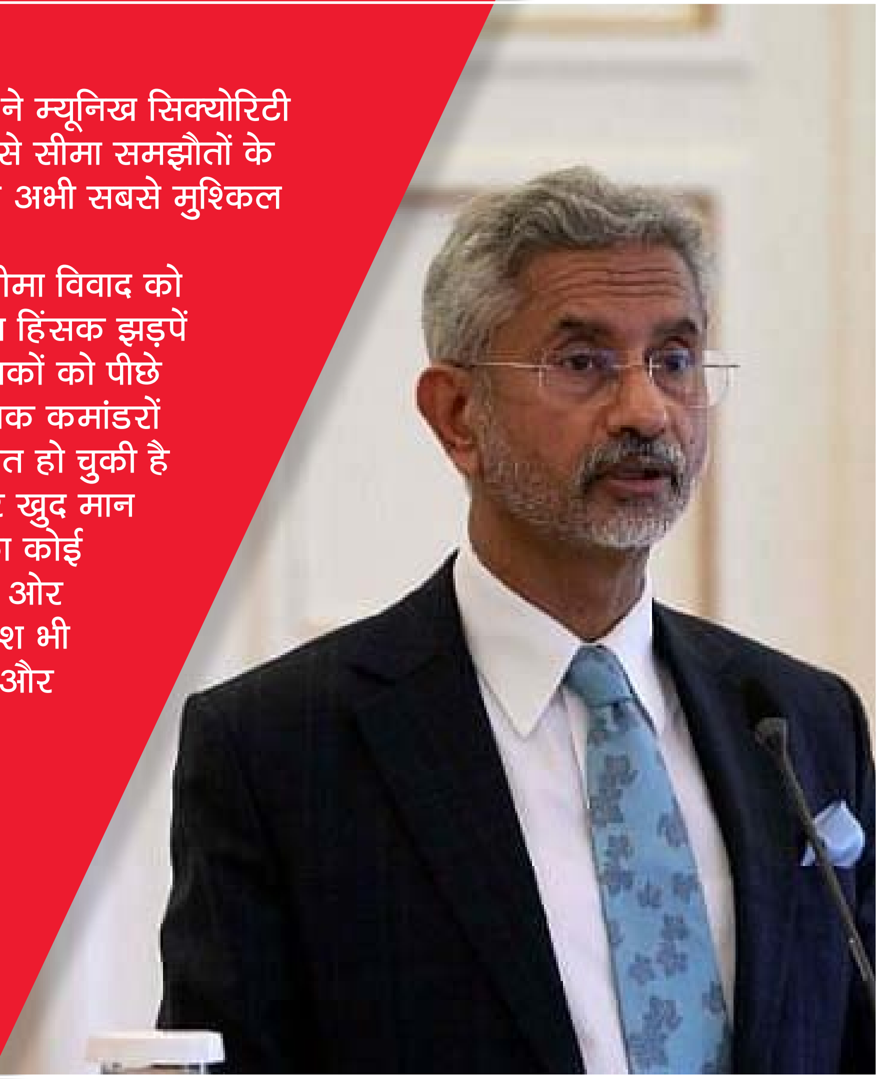

मुद्दा

पश्चिमी देशों का ध्यान खींचना जरूरी था

प्रोफेसर सिंह से पहले ये पूछा कि म्यूनिख कॉन्फ्रेन्स के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुलकर क्यों कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों में दिक़्कत है, जबकि अब तक भारत सरकार चीन का नाम सीधे तौर पर लेने से बचती रही है. आखिर एस जयशंकर के ताजा बयान के क्या मायने हैं ? इसके जवाब में प्रोफेसर स्वर्ण सिंह ने कहा कि म्यूनिख में ये बयान शायद इसलिए भी दिया गया कि पश्चिमी ताकतों का ध्यान इस बात पर जा पाए कि भारत और चीन का सीमा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए दोनों देशों के रिश्तों पर ध्यान बनाए रखने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि भारत का ये बयान इसलिए भी आया क्योंकि "हाल के यूक्रेन संकट के चलते पश्चिम की सभी ताकतों का ध्यान यूरोप की ओर चला गया है. इसका मतलब यह हुआ कि उनका ध्यान हिंद प्रशांत क्षेत्र की ओर बहुत कम हो गया है. ऐसे में यहां चीन को, जो चाहे करने, की खुली छूट मिल गई है. इसलिए भारत चाहता है कि पश्चिमी ताकत इस क्षेत्र पर नजर बनाए रखें." प्रोफेसर स्वर्ण सिंह ने इस बयान के लिए हाल फि लहाल के दो घटनाक्रमों को ज़िम्मेदार बताया. उन्होंने कहा, "पहली बात तो ये कि दोनों देशों के सैनिक कमांडरों के बीच सीमा पर 14 बार बातचीत हो चुकी है, पर उसका कोई हल नहीं निकल पाया. दूसरी बात ये कि चार फरवरी को चीन की राजधानी बीजिंग में व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग ने एक संयुक्त बयान जारी करके रूस और चीन के सामरिक संबंधों को एक अलग पटल पर ले जाने का संदेश दिया." उनके अनुसार, इन दोनों चीजों को देखते हुए भारत का ये बयान बहुत जरूरी हो जाता है. वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर के बारे में उन्होंने कहा, "वे हमेशा से दो टूक और सीधी बात करने के लिए जाने जाते हैं. वे पहले भी इस तरह के कई बयान देते रहे हैं. रिश्तों में तनाव के बावजूद भारत और चीन के बीच कारोबार पिछले कई सालों से लगातार बढ़ता गया है. इसी जनवरी में चाइना जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम ने बताया कि 2021 में भारत से उसका व्यापार 125.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया. इसमें भारत का आयात 97.5 अरब डॉलर रहा है. वहीं उसका निर्यात महज 28.1 अरब डॉलर का रहा. दोनों देशों के बीच के तनावपूर्ण रिश्तों के बीच हमने जब इस पहलू को उठाया तो प्रोफ़ेसर स्वर्ण सिंह ने साफ कहा कि भारतीय विदेश मंत्री के ताजा बयान को दोनों देशों के व्यापार और निवेश से हटकर देखने की जरूरत है. उन्होंने कहा, "एस जयशंकर ने म्यूनिख कॉन्फ्रेन्स में ये संदेश देने की कोशिश की कि व्यापार और निवेश बढ़ने से कोई ये न समझे कि भारत और चीन दोस्त बन गए हैं और उनके बीच की सारी परेशानियां अब खत्म हो गई हैं. प्रोफ़ेसर सिंह कहते हैं, जयशंकर ने साफ तौर पर कहा कि सीमा पर तनाव की स्थिति भारत और चीन के संबंधों की प्रकृति को तय करेगी. इस संदेश से बिल्कुल साफ हो जाता है कि भारत के लिए इस वक़्त चीन के साथ रिश्तों के लिए सीमा पर तनाव बहुत महत्वपूर्ण है.

बड़ी ताकतों के आपसी रिश्ते होते हैं बहुरंगी

दोनों देशों के रिश्तों के इस विरोधाभास को और स्पष्ट करते हुए प्रोफेसर स्वर्ण सिंह कहते हैं, "बड़ी ताकतों के रिश्ते हमेशा से बहुरंगी होते हैं यानी उनके आपसी रिश्तों के कई रंग होते हैं. अलग अलग क्षेत्रों में अलग अलग तरह के तालमेल होते हैं. कहीं तनाव बना रहता है तो कहीं झगड़े भी होते हैं. वे आगे कहते हैं, "इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि भारत का चीन से एक ओर सीमा को लेकर तनाव है. वहीं दूसरी ओर दोनों के बीच कारोबार और निवेश लगातार बढ़ रहे हैं. इस प्रकार के सबंधों को समझने के लिए उन्होंने ब्रिटेन और फ्रांस या ब्रिटेन और जर्मनी या ब्रिटेन और रूस या अमेरिका और चीन के संबंधों को देखने की बात भी कही.

भारत की घरेलू राजनीति में चीन का मुद्दा

बीते कुछ महीनों से चीन को लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर लगातार हमले करती रही है. चुनावों में भी सीमा विवाद के मसले को उठाया गया है. तो देश की अंदरूनी राजनीति में चीन इतना अहम क्यों होता जा रहा है ? इस पर प्रोफेसर स्वर्ण सिंह कहते हैं कि विदेश नीति से जुड़े सवाल घरेलू राजनीति में पहले भी उठते रहे हैं वे कहते हैं, "करीब 20 सालों से भारत की घरेलू राजनीति में, खासकर चुनावों के वक़्त, विदेश नीति के मुद्दे सामने आए हैं. भारत और अमेरिका के बीच जब परमाणु करार पर बातचीत हो रही थी, उस वक़्त भी उससे जुड़ी बातें खूब उछली थीं." उन्होंने कहा कि चीन के साथ सीमा विवाद के चलते गलवान की हिंसा के बाद पूरा देश इस मसले को लेकर बहुत जागरूक हो गया है. प्रोफेसर सिंह कहते हैं, "ऐसे माहौल में यदि यह तनाव दो साल तक बना रहा है तो इस दौरान यहां की राजनीति और चुनाव में चीन का ज़िक्र तो होगा ही.

और क्या कहा था एस जयशंकर ने?

भारत के विदेश मंत्री ने म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में यह भी कहा कि दोनों देशों के रिश्तों की दशा वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी की स्थिति से तय होगी. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हम चीन के साथ दिक़्क़त का सामना कर रहे हैं. दिक़्क़त ये है कि 45 साल से वहां शांति थी. सीमा प्रबंधन को लेकर स्थिरता थी. 1975 से बॉर्डर पर कोई हताहत नहीं हुआ था. लेकिन ये स्थिति अब बदल गई है." विदेश मंत्री ने कहा, "हमारे चीन के साथ समझौते हुए थे कि जिसे हम सीमा कहते हैं, असल में वो वास्तविक नियंत्रण रेखा है. वहां सैन्य बल तैनात नहीं होंगे, लेकिन चीन ने उन समझौतों का उल्लंघन किया." एस जयशंकर के अनुसार, "इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच कई दौर की बातचीत हुई. दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में सहमति बनने के बाद फरवरी 2021 में डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू हुई. अभी तक दोनों देशों के बीच 14 दौर की सैन्य वार्ता हो चुकी है, पर कोई बड़ा नतीजा सामने नहीं आया है." इससे पहले, इसी महीने भारतीय विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया में कहा था कि उन्होंने क्वॉड देशों के नेताओं से भारत और चीन के सीमा विवाद पर चर्चा की. क्वॉड में भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा अमेरिका और जापान भी हैं.

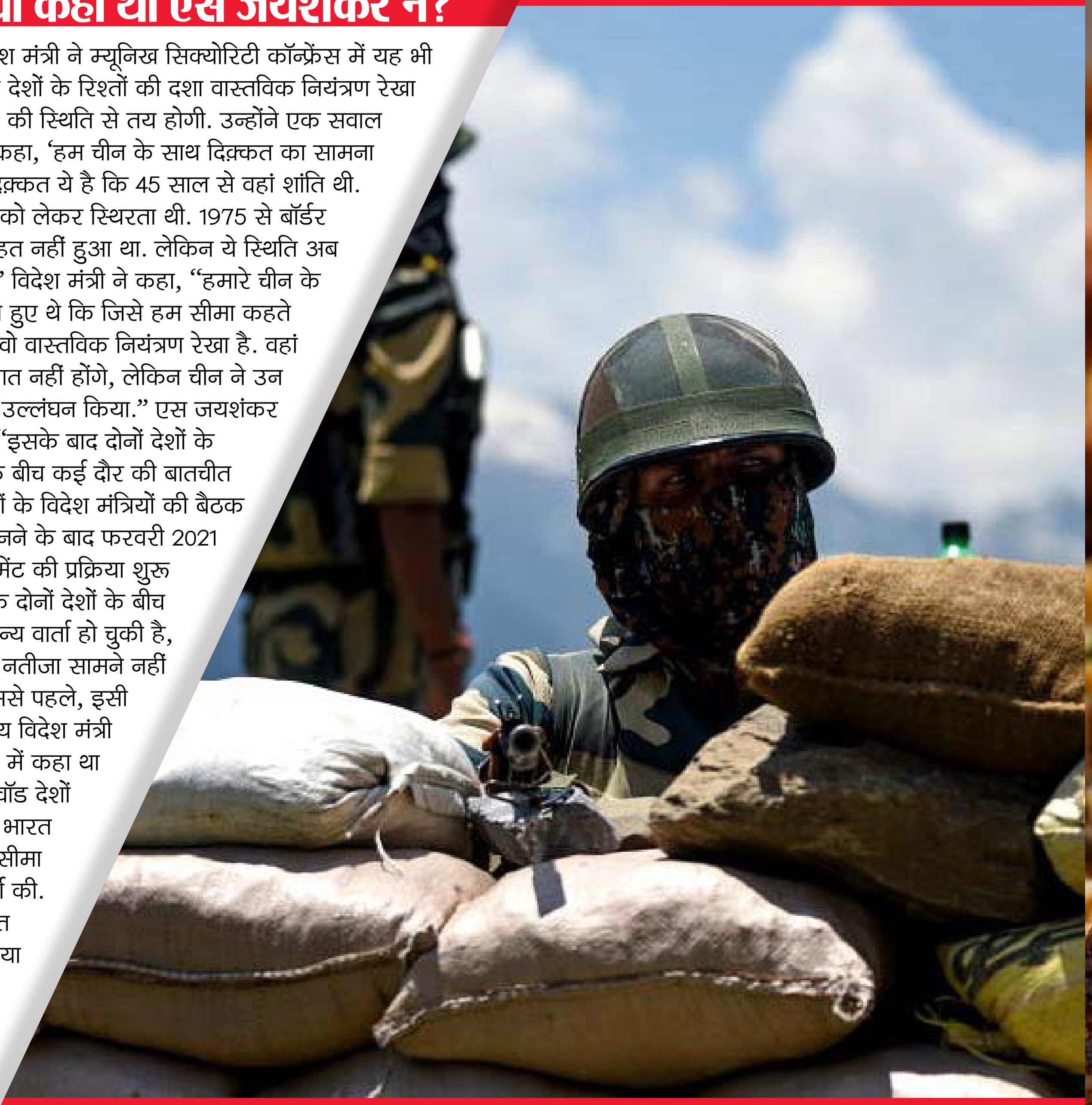

दो साल पहले शुरू हुआ टकराव

लद्दाख सीमा को लेकर पैदा हुए विवाद के चलते भारत और चीन के रिश्ते करीब 2 साल पहले खराब हुए. 2020 में दोनों देशों के बीच गंभीर तनातनी की स्थिति पैदा हो गई. 1 मई, 2020 को दोनों देशों के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख की पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी किनारे पर झड़प हो गई थी. उस झड़प में दोनों तरफ के कई सैनिक घायल हो गए थे. उसके बाद 15 जून को गलवान घाटी में एक बार फिर दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प हुई जिसमें भारत के 20 सैनिकों की मौत हुई. चीन ने घटना के कई महीने बाद बताया कि उस झड़प में उसके चार सैनिक मारे गए थे. हालांकि, कुछ हफ़्ते पहले आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरने वाले चीनी सैनिकों की संख्या कहीं ज्यादा थी. जून की घटना के बाद दोनों देशों के बीच लद्दाख की सीमा पर गतिरोध शुरू हो गया. उसके बाद दोनों देशों ने धीरे-धीरे उस इलाके में सैनिकों और हथियारों की तैनाती बढ़ा दी.

हैदराबाद की स्पेशल बिरयानी

डोने बिरयानी दक्षिण भारत की एक प्रसिद्ध बिरयानी रेसिपी है। यहां डोने बिरयानी में डोने शब्द का इस्तेमाल किया गया है। डोने एक कटोरी के आकार का पात्र होता है जिसे पत्तों से तैयार

मुख्य सामग्री

1 किलोग्राम चिकन/मुर्गा
मेरिनेट के लिए
250 grams दही
1 छोटी चम्मच नमक
2 बड़ी चम्मच नींबू का रस
1 छोटी चम्मच चिली पाउडर
1 छोटी चम्मच हल्दी

मुख्य पकवान के लिए

- 7 – हरी मिर्च
- 1 कप धनिये के पत्ते
- 1/2 कप पुदीने की पत्तियां
- 1 किलोग्राम चावल
- 4 – प्याज
- 1 छोटी चम्मच अदरक का पेस्ट
- 2 छोटी चम्मच लहसून का पेस्ट
- 4 – तेज पत्ता
- 1 छोटी चम्मच दगड़ (पत्थर का फूल)
- जरूरत के अनुसार दालचीनी
- जरूरत के अनुसार लौंग
- जरूरत के अनुसार मोटी सौंफ
- जरूरत के अनुसार सौंफ के बीज
- जरूरत के अनुसार काली इलाइची
- तड़के के लिए
- जरूरत के अनुसार रिफाइंड तेल

सबसे पहले चिकन ले। अब एक कटोरे में दही, नमक, नींबू का रस, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डाले। इन सभी को अच्छी तरह से मिला ले अब इसका लेप चिकन पर लगा ले और चिकन को 30 मिनट तक मैरिनेट होने के लिए छोड़ दें। इसके बाद एक कुकर ले। कुकर में थोड़ा सा तेल डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर ले। अब इसमें गरम मसाला डाले और इसे 2 मिनट तक चम्मच चलाते हुए अच्छी तरह से पका ले। अब इसमें बारीक कटे हुए प्याज डालें और इसे तब तक भूनें जब तक ये हल्का भूरा ना हो जाए। अब इस मिश्रण में मैरिनेट किया हुआ चिकन डालें और इसे चम्मच की सहायता से अच्छी तरह से मिला ले। अब कूकर का ढक्कन लगाकर एक सिटी पड़ते तक इसे पकाए, इसके बाद इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट और ग्रीन पेस्ट भी डाले और इन सभी को अच्छी तरह से चम्मच चलाकर मिला ले। इसके बाद इस मिश्रण में चिकन को अच्छी तरह से पकाए, अब इसमें थोड़ा सा नमक भी डालकर इसे अच्छी तरह से मिला ले। आपकी स्पेशल डोने बिरयानी तैयार है। इसे गरमा गरम परोसे और अपने परिवार के साथ इस लाजवाब दोना बिरयानी रेसिपी का स्वाद चखे।तो देखा आपने कैसे इस प्रसिद्ध दोना बिरयानी को आप घर पर ही तैयार कर सकते हैं। इसे बनाना थोड़ा मुश्किल जरूर है लेकिन इसके स्वाद के मुकाबले यह मुश्किल कुछ भी नहीं है। हम यह दावे के साथ कह सकते हैं कि अगर आप इसका स्वाद एक बार चखेंगे तो आप इसे भूल नहीं पाएंगे। यहां समझने के बाद दक्षिण भारत के प्रसिद्ध दोना रेसिपी को घर पर बनाएं और इसका आनंद ले।

हर्बल प्रोडक्ट की बढ़ी मांग

गौठानों के उत्पाद के एकीकृत ब्रांड अर्थ को जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री निर्मित करने होगा एमओयू

"छत्तीसगढ़ में अब हर्बल चीजों की मांग और बिक्री तेजी से बढ़ रही है। इसी कड़ी में सरकार महिलाओं को गौठानों और मल्टीएक्टीविटी सेंटर के जरिए रोजगार दे रही है और हर्बल चीजों को बनाने पर जोर दिया जा रहा है। समूहों द्वारा तैयार गिफ्ट हैम्पर विक्रय के लिए उपलब्ध हो जाएगा। मुख्यमंत्री इस मौके पर अर्थ ब्रांड के लोगो का भी विमोचन करेंगे। गौरतलब है कि गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा दैनिक जीवन में उपयोग की कई सामग्रियां नेचुरल तरीके से निर्मित की जा रही है।"

इनको बाजार में अर्थ ब्रांडनेम से विक्रय किया जाएगा। राज्य के 22 विकासखण्डों के 230 गौठानों से जुड़ी 277 महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा विशेष प्रकार के चार प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं, जिसमें लेमन ग्रास और अपराजिता के उपयोग से दो प्रकार की इम्यूनिटी-टी, लेमन ग्रास, सिट्रोनेला, पामारोजा एवं तुलसी से बने चार प्रकार के एसेंशियल ऑयल, मुल्तानी मिट्टी, शहद, दूध, तुलसी, लेमन, ऐलोवेरा, लेमन ग्रास एवं हल्दी से निर्मित आठ प्रकार के साबुन तथा पांच प्रकार के लाल, हरा, नीला, पीला एवं गुलाबी जैविक गुलाल शामिल हैं। गोधन न्याय मिशन के मार्गदर्शन में महिला समूहों के उक्त उत्पादों को गिफ्ट हैम्पर के रूप में बहुत ही आकर्षक ढंग से पैकेजिंग की गई है। इसका एओटी भी तैयार किया गया है। यह गिफ्ट हैम्पर अर्थ ब्रांडनेम से मार्केट में बिकेगा। इसकी मार्केटिंग वेबसाइट के माध्यम से भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में गौठानों में महिला स्व-सहायात समूहों के माध्यम से जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री तैयार करने के लिए संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा श्री गणेश ग्लोबल प्राईवेट लिमिटेड के मध्य एमओयू भी होगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव जिले में जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री तैयार किए जाने का पायलेट प्रोजेक्ट संचालित है। इसके तहत सखी समूह संगठन सोमनी एवं श्री गणेशा ग्लोबल प्राईवेट लिमिटेड के मध्य एमओयू हो चुका है। जिसके तहत 50 महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य महिलाओं को जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री तैयार करने के लिए विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। राजनांदगांव जनपद के ग्राम अंजोरा स्थित वृंदावन गौठान में फूलों की खेती के साथ-साथ वहां के रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा फूलों से गुलाल एवं पूजन सामग्री निर्मित किए जाने की शुरूआत हो चुकी है। संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा श्री गणेश ग्लोबल प्राईवेट लिमिटेड के मध्य 18 फरवरी को होने वाले एमओयू के तहत प्रथम चरण में दुर्ग एवं रायपुर जिले के 10 गौठानों में जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री निर्मित की जाएगी। इसके लिए दोनों जिलों के 150 महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। महिला स्व-सहायता समूह जैविक गुलाल के साथ-साथ पूजन सामग्री जिसमें चंदन पाउडर, रूई बत्ती, कुमकुम, रोली, हवन आदि सामग्री तैयार करेंगी।

शासकीय उद्यान रोपणी में किसानों को मिल रहे टमाटर, पत्ता गोभी के पौधे

शासकीय उद्यान रोपणी पेंड्री में प्लग टाईप वेजीटेबल सीडलिंग प्रोडक्शन यूनिट, जापानी पद्धति से बड़ी संख्या में टमाटर, बैंगन, मिर्च, पत्ता गोभी, फूल गोभी बीज का अंकुरित कर पौधे किसानों को दिए जा रहे हैं. शासन के उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को अंकुरित पौधे उपलब्ध कराएं जा रहे है.

पौधा उत्पादन का कार्य पहले आओ पहले पाओ प्रक्रिया के अनुसार किया जा रहा है. जिले के किसानों को इससे सहज ही उद्यानिकी फसलों के पौधे उपलब्ध हो रहे हैं. पौध उत्पादन के लिए कृषक को स्वयं का बीज उपलब्ध कराना होता है. सहायक संचालक उद्यान श्री राजेश शर्मा ने बताया कि कृषक द्वारा प्रदाय किए गए बीज का अंकुरण प्रतिशत परीक्षण कर एक सप्ताह में कृषक को अवगत कराया जा रहा है. प्रति पौधे ट्रे उत्पादन शुल्क 80 रूपए लिया जाता है. कृषक को पौधे ट्रे में प्रदान किए जा रहे हैं. शासकीय उद्यान रोपणी पेंड्री समृद्ध नर्सरी है. जहां फूल एवं सब्जियों के पौधों की विभिन्न किस्में उपलब्ध हैं. गौरतलब है कि ऑटोमेटिक सीडलिंग प्रोडक्शन यूनिट के अंतर्गत सीडलिंग के लिए नारियल बुरादा, परलाईड, वर्मी कोलाईट का उपयोग किया जाता है. इसमें मृदा का उपयोग नहीं किया जाता. बीज का विकास मशीनरी स्वींग मेथड से होता है. प्लग टाईप वेजीटेबल सीडलिंग प्रोडक्शन यूनिट में टमाटर, बैंगन, पत्ता गोभी, फूल गोभी, खीरा, करेला, कद्दू, लौकी जैसी फसलों का सिडलिंग किया जाता है. प्रतिकूल मौसम में भी नसर्री तैयार की जा सकती है. बीज का अंकुरण नियंत्रित वातावरण में होता है. अधिकतम संख्या में पौधे तैयार होते हैं. प्रति एकड़ बीज की मात्रा कम लगती है. तैयार की जाने वाली पौध नर्सरी स्वस्थ, एक समान एवं रोग रहित होती है.

बीज को 23-26 डिग्री तापमान पर रखा जाता

ग्रामीण विस्तार उद्यान अधिकारी श्रीमती श्वेता सिंह ने बताया कि टमाटर, मिर्च और बैंगन के बीज का अंकुरण 30 दिन में हो जाता है और किसानों को उसका वितरण किया जाता है. जबकि पत्ता गोभी के बीज का अंकुरण 40 से 45 दिन में होता है तथा लौकी, खीरा, कद्दू के बीज 15 दिन में अंकुरित होते हैं. बीजों को पहले सोविंग चेम्बर में रखने के बाद, सिडलिंग जमिर्नेशन चेम्बर में रखा जाता है. इसके बाद हार्डनिंग चेम्बर में रखते है. सिडलिंग जमिर्नेशन चेम्बर में पूर्णतः ऑटोमेटिक चेम्बर है. जहां बीज को 23 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखा जाता है तथा नमी एवं प्रकाश मात्रा को संतुलित बनाकर रखा जाता है.

जिले के बुनकरों के बनाए

पंरम्परागत हस्तनिर्मित उम्दा वस्त्र गुणवत्ता एवं उत्कृष्ट कारीगरी के लिए प्रसिद्ध

"जिले में हाथकरघा बुनकरों को वस्त्र उत्पादन से सतत रोजगार मिला है. यहां के बुनकरों के बनाये पंरम्परागत हस्तनिर्मित उम्दा वस्त्र गुणवत्ता एवं उत्कृष्ट कारीगरी के लिए प्रसिद्ध है. शासन द्वारा दिए जा रहे वित्तीय व तकनीकी सहायता से जिले के बुनकर शासकीय विभागों के लगने वाले वस्त्रों के अतिरिक्त स्थानीय बाजार में भी वस्त्रों का विक्रय कर रहे हैं."

3 वर्षो में 3.79 करोड़ रूपए की दी सहायता राशि

शासन द्वारा विगत 3 वर्षो में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बुनकरों को 3 करोड़ 79 लाख रूपए की सहायता राशि दी गई है. इसके अंतर्गत समग्र हाथकरघा विकास योजना वर्ष 2019-20 में 84 लाख 70 हजार रूपए, वर्ष 2020-21 में 1 करोड़ 16 लाख 24 हजार रूपए, वर्ष 2021 में 32 लाख 90 हजार रूपए की सहायता दी गई. इसी तरह बनुकर आवास सह कमर्शाला में वर्ष 2019-20 में 12 लाख 50 हजार रूपए, वर्ष 2021 में 22 लाख रूपए, अनुसंधान विकास में वर्ष 2019-20 में 40 लाख 80 हजार रूपए, वर्ष 2020-21 में 9 लाख 90 हजार रूपए, रिवाल्विंग फण्ड में वर्ष 2019-20 में 1 लाख 50 हजार रूपए, बाजार अध्ययन हाथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी में वर्ष 2019-20 में 3 लाख रूपए, वर्ष 2021 में 2 लाख 50 हजार रूपए, हाथकरघा क्लस्टर में वर्ष 2021 में 3 लाख रूपए, रंगाई यूनिट स्थापना में वर्ष 2021 में 50 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई.

जिले के बुनकरों द्वारा निर्मित वस्त्र फेब इंडिया, ईखादी, ट्रायफेड, आई टोकरी, एक गांव, बेबाक स्टूडियो बिलासपुर, फ्लिपकार्ड, अमेजन के लिए ऑनलाईन प्लेटफार्म पर विक्रय के लिए उपलब्ध है. इससे प्रदेश के बुनकरों के लिए ग्लोबल मार्केट उपलब्ध हो रहा है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के हजारों बुनकर परिवारों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए स्कूली छात्रों के गणवेश वस्त्रों का क्रय छत्तीसगढ़ हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से करने को कहा है. मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण फैसले से हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ से जुड़े हजारों बुनकरों को नियमित रोजगार मिलेगा और उन्हें आर्थिक लाभ पहुंचेगा. इससे जिले के बुनकरों में हर्ष व्याप्त है. हाथकरघा वस्त्र उद्योग कुटीर ग्रामोद्योग में पहले पायदान पर आता है. ग्रामीण कृषि के साथ हाथकरघा पर वस्त्र उत्पादन कर अतिरिक्त आय का सफल साधन बनाये हुए हैं. बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने में छत्तीसगढ़ शासन की शासकीय वस्त्र प्रदाय योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. बुनकर सहकारी समिति मर्यादित छुईखदान, बम्लेश्वरी बुनकर सहकारी समिति रामाटोला, श्री लक्ष्मी बुनकर सहकारी समिति मेढ़ा में व्यापक तौर पर वस्त्रों का उत्पादन किया जा रहा है. जिले की 39 कायर्शील समितियों के 3350 करघों पर बुनकर सतत रोजगार प्राप्त कर रहे हैं. हाथकरघा पर वस्त्र उत्पादन हेतु धागों की आवश्यकता, धागों की रंगाई की सुविधा, वस्त्र बुनाई हेतु बुनाई एवं कौशन उन्नयन प्रशिक्षण की आवश्यकता, करघा तथा उपकरण की उपलब्धता, बाजार की सुविधा एवं इन सब कार्यो के लिए अनुसंधान विकास की संभावनाओं के दृष्टिगत ग्रामोद्योग संचालनालय हाथकरघा प्रभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं से बुनकर लाभान्वित हो रहे हैं. बुनकरों को कलस्टर के रूप में संगठित कर विकासखण्ड स्तरीय हाथकरघा कलस्टर योजनांतर्गत सहायता एवं सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. इस कड़ी में विकासखण्ड छुरिया एवं राजनांदगांव में हाथकरघा कलस्टर सहायता स्वीकृत हुई है.

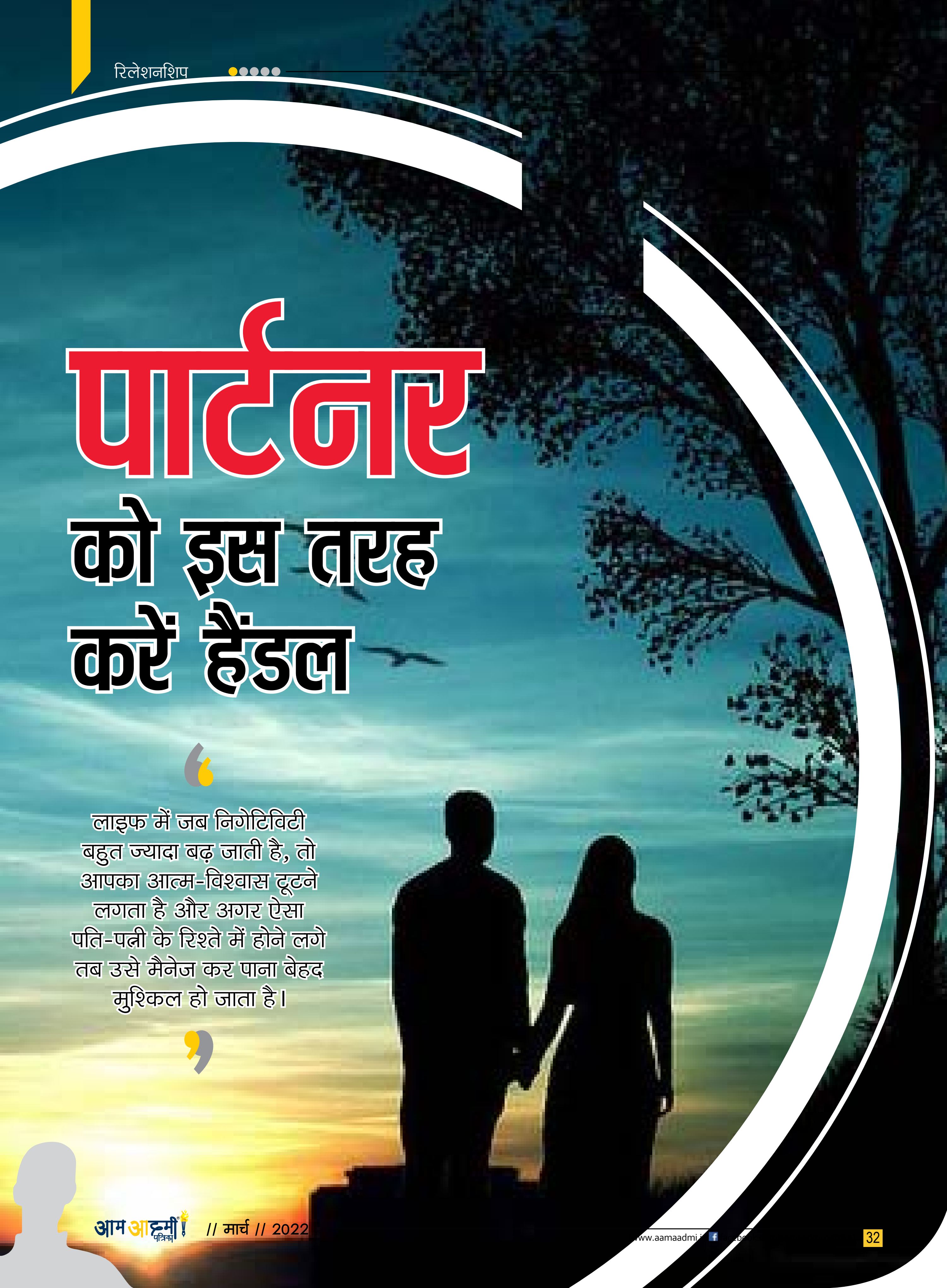

पार्टनर को इस तरह करें हैंडल

“लाइफ में जब निगेटिविटी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो आपका आत्म-विश्वास टूटने लगता है और अगर ऐसा पति-पत्नी के रिश्ते में होने लगे तब उसे मैनेज कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है।”

कई बार आपका पार्टनर बात-बात पर गुस्सा करने लगता है और इस कारण रिलेशनशिप में खटास पैदा होने लगती है। ऐसा न हो इसके लिए आपको यह देखना होगा कि जब भी आपका पार्टनर गुस्सा दिखाए या नकारात्मक तौर पर बिहेव करे, तो उसे किस तरह आपको हैंडल करना है। इसके लिए हम आपको कुछ आसान से टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इससे निजात पा सकते हैं। आपका पार्टनर आपको हर एक बात पर अगर टोकता है या नकारात्मक व्यवहार दिखाता है, तो उस पर रिएक्ट करने से पहले उसके पीछे का कारण जानने का प्रयास भी करें। साथी का गुस्सा खुद पर हावी न होने दें, वरना आप दोनों के बीच लड़ाई बढ़ सकती है। इसलिए साथी से उनके बिहेवियर को लेकर खुलकर बात करें और आराम से उन्हें अपना नजरिया समझाएं। दोनों को एक दूसरे का लाइफस्टाइल समझना होगा, तब ही रिश्ते में मिठास बनी रहेगी। जब एक पार्टनर हद से ज्यादा निगेटिव हो जाता है, तो इसका असर दूसरे साथी पर भी पड़ने लगता है। इसलिए अगर आपका पार्टनर आपको बात-बात पर टोकता है या ताने देता है, तो आप उसे इग्नोर करें। लेकिन उनके इस व्यवहार को हल्के में न लें। जब आप खुद को सकारात्मकता से भरपूर रखेंगे, तो आप साथी से भी इसका महत्व समझा सकेंगे। एक रिश्ते में कूल तरह से रहना पति-पत्नी के शादीशुदा जीवन को कितना आसान बना सकता है, यह आपके लिए समझना जरूरी है। आपके पार्टनर का रुखा रवैया कहीं इस कारण तो नहीं है क्योंकि आप उनकी कई बातों को इग्नोर कर जाते हैं। कई बार आप अपने काम में इतनी बिजी हो जाते हैं कि आपका साथी आपसे क्या कहना चाहता है इस पर भी ध्यान नहीं दे पाते। जिस कारण वह अंदर ही अंदर घुटने लगते हैं और इतने नकारात्मक बिहेव करने लगते हैं। इसलिए अपने साथी की बातों को पूरा ध्यान से सुनें और उनकी इच्छाओं को भी समझें। एक हेल्दी रिलेशनशिप वही होता है, जहां कुछ अहम चीजों को हमेशा ध्यान रखा जाता है। पार्टनर के गुस्से और बुरे बर्ताव को न झेलना जैसी चीजों को शामिल करना। जब आप शुरूआत से ही अपने रिश्ते में इस तरह की बाउंड्री बनाकर रखते हैं, तो आपका रिलेशनशिप पार्टनर के साथ हमेशा पॉजिटिविटी से भरा रहता है। रिश्ते की हेल्दी नींव आपको अंदर से पॉजिटिव फील कराती है और यह आपके शादीशुदा जीवन को भी खुशहाल बनाए रखती है।

कम उम्र में सफेद बाल, ऐसे बनाएं होममेड ऑयल

"पुराने समय में सफेद बाल 40 के बाद होने शुरू हो जाते हैं। दरअसल, यह संकेत देता था कि अब आप आपको धीरे-धीरे काम करने की आवश्यकता है। इससे बुढ़ापे का अंदाजा लगाया जाता था, लेकिन अब यह परेशानी 25 या फिर 27 की उम्र में ही शुरू हो गई है। हालांकि, कई लोगों को यह समस्या और भी कम उम्र में शुरू होने लगी है। हो सकता है इसके पीछे जेनेटिक प्रॉब्लम हो, लेकिन 30 से पहले यह समस्या शुरू होने का मतलब शारीरिक परेशानियां भी हो सकती हैं। आज कल तनाव से हर उम्र के लोग प्रभावित हैं। युवाओं में स्ट्रेस का लेवल काफी अधिक देखने को मिलता है।"

इसके साथ अनहेल्दी लाइफस्टाइल, गलत आदतें, यह सब कुछ आपके बालों को सफेद करने के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि बाल सफेद होने के बाद उन्हें काला नहीं किया जा सकता है। जबकि ऐसा नहीं है, इसके लिए आपको अपने बालों के साथ-साथ अंदरूनी गड़बड़ियों को भी फिक्स करने की आवश्यकता है। इसके लिए आपको यह पता लगाना होगा कि आखिर बाल क्यों सफेद हो रहे हैं, उन आदतों को बदलने के लिए साथ-साथ कुछ ऐसे तरीके आजमाइए जो बालों को फिर से काला करने में मदद कर सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके साथ एक ऐसी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं, जो बालों को काला करने में मदद कर सकती हैं।

आपके स्कैल्प में पिगमेंट सेल्स होते हैं, जो हर हेयर फॉलिकल्स में मौजूद होते हैं। इसे मेलानिन कहते हैं, जो बालों को कलर देने का काम करते हैं। जब यह कम होने लगते हैं या फिर खत्म हो जाते हैं, तो बाल सफेद होने लगते हैं। इसके कम होने के पीछे प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट, विटामिन, विटामिन डिफिशिएंसी, स्ट्रेस, केमिकल प्रोडक्ट्स का अधिक इस्तेमाल आदि कई चीजें शामिल होती हैं। सफेद बालों से बचने के लिए मेलानिन को बचाए रखने की आवश्यकता है और यह तब होगा जब आप इन कारणों पर काम करना शुरू करेंगे। इन चीजों को फिक्स करने के बाद आप स्कैल्प और बालों को पोषण देकर सफेद बालों की समस्या को जल्दी ठीक कर सकते हैं। मेलानिन को ठीक करने के लिए ऑयलिंग अहम भूमिका निभाती है, क्योंकि यह पोषण देने का काम करती है। इससे उन्हें वापस से एक्टिव किया जा सकता है, जिससे सफेद बालों की परेशानी से छुट्टी हो सकती है। आयुर्वेद में सफेद बालों के पीछे दोष माना जाता है, इसे ठीक करने के लिए वह कई ऐसी हर्बल चीजों का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। कुछ ऐसा ही आप भी घर पर बना सकते हैं। होममेड ऑयल सफेद बालों को दूर करने के लिए बेहद सहायक माना जाता है। इसके लिए उन इंग्रेडिएंट्स को लें, जो आपको बालों को पोषण देने के साथ-साथ सफेद बालों की समस्या को भी दूर करने के लिए कारगर हैं। ऐसे ही कुछ इंग्रेडिएंट्स आज हम बताएंगे, जिससे आप तेल बना सकते हैं।

घर पर इन इंग्रेडिएंट्स से बनाएं होममेड ऑयल

- करी पत्ता-10
- नारियल तेल-1 कप
- ड्राई आंवला-1 से डेढ़ चम्मच
- ड्राई तोरई- 1 चम्मच
- ड्राई अदरक-1 चम्मच
- कलौंजी- 1 चम्मच

ऑयल बनाने का तरीका

इसे बनाने के लिए सबसे पहले पैन को गैस कर रख दें। ध्यान रखें कि वह कम आंच पर होना चाहिए। इसे हल्का गर्म होने दें और फिर तेल डाल दें। अगर आप नारियल तेल नहीं लगाते तो इसकी जगह कोई और भी तेल ले सकते हैं।

जब तेल हल्का गर्म हो जाए तो ड्राई आंवला, तोरई, अदरक, और कलौंजी को मिक्स कर दें। आप चाहें तो एक-एक कर भी डाल सकते हैं। सबसे आखिर में करी पत्ता डालें। अब इसे कम आंच पर पकने दें, जब तक कि सभी का कलर ब्राउन ना हो जाए।

अब इसे एक जार या फिर सूखे बर्तन में छान लें। ठंडा होने के बाद रोजाना इसे अप्लाई करें। कोशिश करें कि हफ्ते में दो बार इस तेल को अप्लाई जरूर करें। फर्क आपको खुद ब खुद नजर आने लगेगा।

इन चीजों को फॉलो करने से दिखेगा जल्दी असर

बालों को उचित पोषण और खान पान से बालों में जल्दी असर दिख सकता है।सफेद बालों को काला करने के लिए बाहर और अंदर दोनों तरीके से ट्रीटमेंट किए जाने पर ठीक किया जा सकता है। इसलिए जब तक ऑयलिंग या फिर कोई हर्बल तरीका आजमा रहे हैं तो कोशिश करें कि केमिकल ट्रीटमेंट बालों पर ना करवाएं। जितना हो सके स्ट्रेस, अनहेल्दी डाइट, स्मोक, प्रदूषण आदि से अपने बालों को बचा कर रखें। इन चीजों को अगर आपने फॉलो कर लिया तो फर्क आपको कुछ दिनों में दिखना शुरू हो जाएगा।

बॉलीवुड में छाए फरहान और शिबानी

बॉलीवुड में फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर ही सबसे ज्यादा छाए रहे। दोनों ने आखिरकार एक दूसरे से शादी कर ली है। वही फैंस को अक्षरा सिंह का येलो ड्रेस में लुक काफी पसंद आया है। इसके अलावा आज अक्षय खन्ना की एंट्री भी दृष्यम 2 में हो गई है।

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की हुई शादी

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की शादी जावेद अख्तर और शबाना आजमी के खंडाला वाले फार्म हाउस में हो गई है। शादी की पहली फोटो भी तुरंत आ गई थी जिसमें फरहान ब्लैक कलर के सूट में थे और शिबानी दांडेकर रेड कलर की ड्रेस में नजर आईं। दोनों ही काफी सुंदर लग रहे थे।

दृष्यम 2 में अक्षय खन्ना की एंट्री

अजय देवगन और तबू स्टारर फिल्म दृष्यम 2 में अक्षय खन्ना की एंट्री हो गई है। अक्षय खन्ना फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। उनका कोई साइड रोल नहीं है बल्कि उनके लिए पूरे कैरेक्टर को अच्छे से लिखा गया है। वो तबू को असिस्ट करते नजर आएंगे और अजय देवगन के पर चार्ज लगाने के लिए पूरी छानबीन करेंगे।

अक्षरा सिंह का येलो लुक में फोटोशूट

अक्षरा सिंह ने येलो लुक में अपना फोटोशूट कराया है। इसमें वो बहुत प्यारी लग रही हैं। उनके सादगी भरे लुक की फैंस काफी तारीफ कर रहे हैं। भोजपुरी क्वीन ने फोटोशूट में पीले रंग का लहंगा पहना था। उनका ये ट्रेडिशनल लुक भी उसी तरह से ट्रेंड कर रहा है जैसा उनका मॉर्डन लुक करता है।

साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय एक्टर अपनी फिल्म ठइड107 की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म के शूटिंग सेट से नंदामुरी बालकृष्ण का लुक लीक हो गया है। लीक हुई फोटो में बालकृष्ण काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। एक्टर कुर्सी पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं और उनके पीछे एक आदमी खड़ा है। फोटो में उन्हें ब्लैक कलर की शर्ट और ब्राउन कलर की लुंगी पहने हुए देखा जा सकता है।

माह : मार्च 2022

राशिफल

मेष

मार्च का महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है शारीरिक और मानसिक रूप से आप परेशान हो सकते है। आँख, गला नाक तथा पेट को लेकर परेशानी बढ़ सकती है। आर्थिक मामलो में संभलकर ही रहे। सभी कार्य सजगता पूर्वक ही करे। धन मके मामले में धोखा भी हो सकता है। यदि शेयर बाजार में पैसा लगाते है तो दूर रहना ही हितकर होगा।

वृष

इस मास गृहस्थ जीवन में परेशानी आ सकती है धैर्य और संयम से काम लें सब ठीक हो जाएगा। आर्थिक अस्थिरता बानी रहेगी इसलिए योजना के अनुसार ही व्यय करे। नौकरी में मान सम्मान मिलेगा। उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक विचारो के साथ ही कोई कार्य करे अन्यथा नुक्सान झेलना पड़ सकता है। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मिथुन

स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरते सर्दी,बुखार तथा त्वचा संबंधी रोग होने की संभावना है। दाम्पत्य जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आप चोटिल हो सकते है। लड़ाई-झगड़ा करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी संयम रखे केश-मुकदमा भी हो सकता है। यात्रा के दौरान एहतियात बरते नहीं तो दुर्घटना के शिकार हो सकते है।

कर्क

इस माह आर्थिक मामलों में पूर्णरूप से सतर्कता बरतना जरूरी है। यदि नौकरी बदलना चाहते है तो प्रयास कर सकते हैं सफलता अवश्य मिलेगी। दृढ़ निश्चय होकर काम करें। अनावश्यक खर्चों से परहेज करें। इस मास आर्थिक स्थिति थोड़ी नाजुक हो सकती है। जिसके कारण आप तनाव भी महशूश कर सकते हैं।

सिंह

धन का संचय करना इस महीना आपके लिए कठिन होगा।। खर्च आपकी परेशानी बढ़ा सकते हैं। आलस्य के कारण आपके कुछ कार्य समय पर नहीं हो पायेंगे। इस माह मान-सम्मान में कमी आ सकती है। व्यापार में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मास का उत्तरार्ध आपके लिए ठीक रहेगा। काम में दूसरों की मदद ले लाभ मिलेगा।

कन्या

आप अपने वैवाहिक जीवन में भी परेशानी का सामना कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन में भी इस महीने उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। परिवारजनों के साथ विश्वास और स्नेह रखने से ही आपके संबंधों में मधुरता आयेगी। घर के मामलों को घर में ही सुलझाने की कोशिश करें। गलत कार्य करने से बचें। आपके प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे नये मित्र भी बन सकते हैं।

तुला

इस मास आपका समय सामान्य रहने वाला है। स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ सकता है इसका मुख्य कारण होगा मानसिक परेशानी। झूठ बोलने से बचें। इस महीना आय का जरिया बढ़ेगा। बेहतर परिणाम के लिए बेहतर ढंग काम करे तभी सफलता मिलेगी। अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने की सम्भावना है। प्रेम में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के अनुकूल समय है अपने कर्तव्यो का पालन करे सफलता उनके साथ होगा।

वृश्चिक

राशि का स्वामी मंगल के आपकी धन भाव में विचरण करने से आपको लाभ होगा। मित्रों के ऊपर खर्चे में बढ़ोत्तरी हो सकती है। सोच-समझकर खर्च करें। माँ के स्वास्थ्य का खास ख़्याल रखें। माता के खराब स्वास्थ्य के कारण आपको अस्पताल जाना पड़ सकता है। विरोधियों से सावधान रहें। किसी भी नये कार्य से परहेज करे। कार्यस्थल पर प्रेम सम्बन्ध हो सकता है संभलकर ही रहे।

धनु

इस माह अपको स्वास्थ्य का ख़्याल रखने की जरूरत है। सिर और आँखों में दर्द बुखार की शिकायत हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह महीना अच्छा नहीं है। आपको आर्थिक रूप से लगातार उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ सकता है। साझेदारी के कार्यों में धोखा मिल सकता है। आँख बंद करके किसी पर विश्वास न करें। जरुरत से ज्यादा खर्च हो सकता है।

मकर

इस महीने आपको मिले-जुले परिणाम प्राप्त होंगे। काम के साथ ज़िम्मेदारियों का बोझ भी बढ़ेगा। काम में लापरवाही दिखाने के लिये आपके सीनियर आपको चेतावनी दे सकते हैं। कठिन परिश्रम करने से ही लाभ होगा। प्रेमी जोड़ों को खुशनुमा पल बिताने का मौका मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षा, उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भाग्य का साथ मिलेगा।

कुम्भ

स्वास्थ्य के दृष्टि से यह महीना सामान्य रहेगा। अपने परिवारजनों की सेहत का अवश्य ही ख़्याल रखें।अपने कार्य क्षेत्र में सम्मान मिल सकता है। मित्रो के ऊपर खर्च करने पड़ सकते है। अपने खर्च पर काबू रखें। अनावश्यक खर्च हो सकता है इससे बचे। माँ बीमार हो सकती है, इसलिए थोड़ा सचेत रहें। शत्रुओं से सावधान रहें। सगे-संबंधियों से कुछ मतभेद हो सकते हैं। मानसिक तनाव के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

मार्च का महीना धन के मामलो में अनुकूल लग रहा है। थोड़ी बहुत आर्थिक मुसीबतों का सामना करना पर सकता है। आर्थिक स्थिति में इस महीना उथल-पुथल रहेगी। माता-पिता की ओर से आर्थिक सहयोग मिलेगा। अवसर की तलाश में रहे और उसका फायदा उठाये आलस्य न करे आलस्य के कारण अवसर खो सकते हैं। आपके विरोधी आपकी छवि खराब कर सकते हैं।

बराबरी और भागीदारी
नारी शक्ति के लिए निभाई जिम्मेदारी

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

- लैंगिक समानता में **छत्तीसगढ़ पहले स्थान पर** (नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2020-21 की इंडिया इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार)
- छत्तीसगढ़ विधानसभा में **महिलाओं का प्रतिशत** देश में सबसे अधिक
- ग्राम पंचायतों में महिलाओं की **50 फीसदी हिस्सेदारी**
- भूमि और संपत्ति पर कानून के अनुसार अब महिलाओं को **समान स्वामित्व एवं नियंत्रण**
- सरकारी पदों पर **महिलाओं** को **30% आरक्षण**
- छात्रावास तथा आश्रमों में महिला होमगार्ड के **2,200 नए पदों का सृजन**
- **3,790 महिलाएं** बीसी सखी के रूप में बनीं चलता-फिरता बैंक
- **9 जिला मुख्यालयों में नए महिला महाविद्यालयों** से खुले उच्च शिक्षा के रास्ते
- छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास में **महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित**
- बिहान के अंतर्गत **2 लाख स्व-सहायता समूह** गठित, **21 लाख महिलाएं** जुड़ीं
- महिला स्व सहायता समूहों पर **₹12.77 करोड़** का बकाया ऋण माफ़, महिला कोष द्वारा दिए जाने वाले ऋण की पात्रता में **2 गुना वृद्धि** तथा कोष के बजट में **5 गुना वृद्धि**
- महिलाओं की मदद के लिए 370 थानों में **महिला हेल्प डेस्क** का संचालन
- दो साल में **1 लाख से अधिक महिलाएं एनीमिया मुक्त**
- देश में अपनी तरह की अनूठी दाई-दीदी क्लीनिक योजना से गरीब बस्तियों में **2 लाख से अधिक महिलाओं का हुआ इलाज**

R.O NO - 11733/8